गैरसैंण, गुरूवार
4 जनवरी 2024
वर्ष: 14
अंक: 232 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

उत्तराखंड में शट डाउन के चलते बिजली संकट

इतने घंटे का होगा पावर–कट

देहरादून। उत्तराखंड में जनवरी माह में बिजली का संकट गहराने जा रहा है। दरअसल, यूजेवीएनएल ने मनेरी भाली प्लांट की मरम्मत के लिए 20 दिन का शटडाउन लेने का फैसला लिया है। ऐसे में इस प्लांट से पांच जनवरी से 25 जनवरी तक बिजली उत्पादन बंद रहेगा। उधर, कम पानी उपलब्ध होने से यूजेवीएनएल का बिजली उत्पादन भी 24 मिलियन यूनिट (एमयू) से घटकर 9.37 एमयू रह गया है। इससे बिजली संकट गहराना तय है। गर्मियों में यूजेवीएनएल का बिजली उत्पादन 24 एमयू को पार कर जाता है। सर्दियां आते ही उत्पादन बहुत घट जाता है। इस बार बारिश न होने के कारण उत्पादन पिछले साल के मुकाबले और भी ज्यादा कम है। पिछले साल 2023 में एक जनवरी को बिजली उत्पादन 10.39 एमयू था, जो इस साल एक जनवरी को 9.37 एमयू तक सीमित हो गया है। मनेरीभाली से 106 मेगावाट बिजली उत्पादन पूरी तरह बंद होने के बाद दिक्कत बढ़ना तय है। उधर, बाजार में पीक समय के लिए बिजली नहीं मिल रही है। साथ ही रेट भी 12 रुपये प्रति

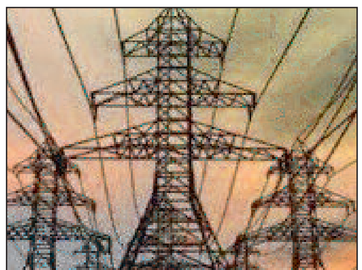

यूनिट तक पहुंचे हुए हैं। इस रेट पर यूपीसीएल बहुत अधिक बिजली खरीदने की स्थिति में नहीं है। बिजली सप्लाई बाधित न हो, इसके लिए लगातार हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। हर संभव तरीके से बिजली जुटाने की कोशिश हो रही है। इसके लिए शॉर्ट टर्म और लांग टर्म प्लानिंग साथ साथ चल रही है।

– अनिल कुमार, एमडी, यूपीसीएल।

मरम्मत के लिए शटडाउन लिया गया है। पूरा प्रयास किया जाएगा कि काम को जल्द से जल्द समाप्त किया जा सके। इसके लिए सभी इंजीनियरों को विशेष निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

–अजय कुमार सिंह, निदेशक ऑपरेशन, यूजेवीएनल ।

'संसद में सांसद के तौर पर एंट्री नहीं', निष्कासन पर महुआ मोइत्रा को राहत नहीं

नई दिल्ली। कैश–फॉर–क्वेरी मामले में लोकसभा सदस्यता छीन जाने के खिलाफ टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा ठकठकाया था। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा महासचिव से इस मामले पर दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने के आदेश दिए। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट अब अगली सुनवाई 11 मार्च को करने वाली है। हालांकि, सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने कहा कि वो फिलहाल लोकसभा कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले सकती हैं।

एथिक्स कमेटी की सिफारिश के बाद गई थी महुआ की संसद सदस्यता

पिछले महीने 11 दिसंबर को टीएमसी नेता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। बता दें कि कैश फॉर क्वेरी मामले में एथिक्स कमेटी की सिफारिश के बाद महुआ की संसद सदस्यता रद्द कर दी गई थी।

समझें पूरा मामला

टीएमसी नेता पर अदाणी समूह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निशाना बनाने के लिए कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर सदन में सवाल पूछने के बदले रिश्वत लेने का आरोप लगाए गए। इस मामले पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने वकील जय अनंत देहाद्राई के माध्यम से मोइत्रा के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को शिकायत भेजी थी। महुआ मोइत्रा पर आरोप था कि उन्होंने संसदीय वेबसाइट पर एक सीक्रेट खाते में लॉग–इन करने के लिए हीरानंदानी को अपनी आईडी और पासवर्ड दे दिया था, ताकि वह सीधे प्रश्न पोस्ट कर सकें। महुआ मोइत्रा ने इस बात को कबूल किया।

ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल खत्म होने बाद भी लोगों की मुश्किलें रही बरकरार

– पेट्रोल–डीजल, एलपीजी गैस की किल्लत, सब्जियों के दामों में भी उछाल

देहरादून। हिट एंड रन नए कानून को लेकर ट्रांसपोर्टरों ने अपनी हड़ताल बेशक वापिस ले ली, लेकिन लोगों की मुश्किलें बरकरार रहीं। पेट्रोल–डीजल की किल्लत से लेकर घरेलू रसोई गैस सिलेंडर नहीं बांटे जा सके। ट्रकों की हड़ताल की वजह से सब्जियों के दामों में भी उछाल दर्ज किया गया। बुधवार शाम तक कुछ पेट्रोल पंपों में पेट्रोल मिलना शुरू हुआ तो लोगों की भारी भीड़ पंपों में दिखाई दिखी। उत्तराखंड में देहरादून, हल्द्वानी, हरिद्वार, काशीपुर, रुड़की सहित अन्य शहरों में पेट्रोल सूखे रहे। हल्द्वानी में इंडियान पेट्रोलियम के टैंकर तो पंपों में पहुंच गए, लेकिन भारत पेट्रोलियम के पंपों में शाम तक तेल की गाड़ियां पहुंच नहीं पाई थी। इसके अलावा गैस की गाड़ियां पहाड़ों को चढ़ गई, लेकिन शहर में नहीं बांटी गईं। शहर में रूट प्लान के चलते इंडेन गैस के ट्रक गौलापार में खड़े रहे। उधर, सब्जियों की सप्लाई से शहर में सब्जियों के दाम बढ़ गए। आलू–फल आढ़ती व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश जोशी ने बताया कि जो गोभी मंगलवार तक 20 से 22 रुपये प्रति किलो बिकने वाली प्याज बुधवार को 25 से 30 रुपये किलो तक बिकी। 20 से 25 रुपये बिकने वाला पांच किलो का फूल गोभी का कट्टा 30 से 40 रुपये में बिका। इसी तरह 10 से 15 रुपये किलो बिकने वाला टमाटर 15 से 20 रुपये किलो तक बिका। इसी तरह आलू के एक धड़ी यानि पांच किलो के दाम में भी 10 से 15 रुपये की बढ़ोतरी देखने को मिली। बुधवार को हड़ताल खत्म होने के बाद मंडी से पहाड़ों को काफी मात्रा में सब्जियों की सप्लाई हुई। इससे शहर की सप्लाई लडखड़ा गई थी।

IHMS KOTDWAR
Institute of Hospitality, Management & Sciences
17 Years of Excellence in Education ESTD. 2006
"Journey Towards Excellence"
Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Sri Dev Suman Uttarakhand University, Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University (A Central University)
Approved By: All India Council of Technical Education (AICTE), Government of Uttarakhand and Ministry of Education
Admissions Open 2024-25
LIMITED SEATS
CHM (CERTIFICATE IN HOTEL MANAGEMENT)
WINTER BATCH
Admissions Start For (January 2024)
JOB OPPORTUNITIES
RAMADA | CROWNE PLAZA | JAYPEE HOTELS & RESORTS | COUNTRY | COURTYARD Marriott AHMEDABAD | SAYAJI | PRIDE | HYATT | TAJ | Marriott HOTELS & RESORTS | RAFFLES
PROGRAMMES AVAILABLE
M.B.A. 2 Years | M.C.A 2 Years | B.H.M. 4 Years | B.B.A. 3 Years | B.C.A. 3 Years | B.Sc. IT 3 Years | C.H.M. 1 Year
Mob.: 7902000023, 8057726863
Balbhadrapur, B.E.L. Road, Kotdwar-246149(UK)
Email:Info@ihms.ac.in, ihmskotdwar1@gmail.com | Web: www.ihms.ac.in

रोजगार मेला 6 जनवरी को

कोटद्वार : प्रदेश सरकार के उपक्रम आईटीडीए की ओर से देहरादून स्थित परेड ग्राउंड में 6 जनवरी 2024 को रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा। मेले में हिल्ट्रान कैल्क या आईटीडीए कैल्क में कम्प्यूटर कोर्स कर रहे या कर चुके अभ्यर्थी ही भाग लेंगे। मेले में विभिन्न कंपनियां प्रतिभागियों को उनकी योग्यतानुसार विभिन्न पदों पर चयन करेंगी। यह जानकारी आईडीए कैल्क कोटद्वार के निदेश नंदकिशोर जखमोला और जनसंपर्क अधिकारी अरविंद दुदपुड़ी की ओर से संयुक्त रूप से जारी विज्ञप्ति में दी गई है।

5.53 ग्राम स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

पौड़ी : जिले में अवैध नशे का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। श्रीनगर पुलिस ने 5.53 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौडी गढ़वाल श्वेता चौबे द्वारा जनपद में नशा, मादक पदार्थों एवं ड्रग्स की बढ़ती प्रवृति पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने व अवैध तरीके से नशीले पदार्थों का क्रय-विक्रय करने वालों के विरूद्ध चैकिंग अभियान चलाकर वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी के क्रम में कोतवाली श्रीनगर पुलिस टीम द्वारा श्रीनगर थाना क्षेत्रान्तर्गत दौराने चैकिंग के नशा सप्लायर अभिषेक नेगी को पुराना महिला थाना श्रीनगर के पास से 5.53 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। जिस सम्बन्ध में अभियुक्त के विरुद्ध कोतवाली श्रीनगर पर एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।

नयारघाटी क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू, द्वारीखाल केसीसी ने जीता उदघाटन मैच

पौड़ी : नयारघाटी क्रिकेट टूर्नामेंट एवं हंस अस्पताल चमोलीसैंण के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार से मां गोरजा क्रिकेट समिति सीला बांघाट के खेल मैदान में क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू हो गया है। उदघाटन मैच में द्वारीखाल केसीसी ने बुंगा इलेवन की टीम को पराजित किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि यूथ कांग्रेस चौबट्टाखाल अध्यक्ष रोहन सिंह नेगी, विधानसभा यूथ कांग्रेस अध्यक्ष हिमांशु रावत, महिला मंगल दल अध्यक्ष ज्योति डोबरियाल, ग्राम प्रधान चमोलीसैंण मीना देवी, महावीर सिंह ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि खेल से आपसी भाईचारा बढ़ता है। इसलिए खेल भावना से खेलना चाहिए। मैच के पहले दिन द्वारीखाल केसीसी बनाम बुंगा इलेवन की टीम के बीच मुकाबला खेला गया। द्वारीखाल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में पांच विकेट खोकर 103 रन बनाए, हिमांशु रावत ने नॉट आउट रहते हुए सर्वाधिक 74 रनों की शानदार पारी खेली। जवाब में बुंगा की टीम 45 रन ही बना सकी। द्वारीखाल टीम के बोलर करन ने हैट्रिक कर लगातार 4 विकेट लिए। इस मौके पर मुकेश बहुगुणा, नितिन काला, कृष्ण काला, नवलकिशोर, आयुष आदि मौजूद रहे।

मोटर मार्ग के लिए वित्तीय स्वीकृति दी जाए

पौड़ी : सालकोट-बीरो पाखरी मोटरमार्ग स्वीकृत होने पर भी निर्माण कार्य की बाट जोह रहा है। स्वीकृति के 11 वर्ष बाद भी मोटर मार्ग पर निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि मोटर मार्ग नहीं बनने से उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्राम प्रधान सालकोट पंकज पोखरियाल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर सालकोट-बीरो पाखरी मोटमार्ग के लिए वित्तीय स्वीकृति की मांग की है। उन्होंने कहा कि एक दर्जन से भी अधिक गांवों को जोड़ने वाला बीरो-पाखरी मोटरमार्ग साल 2012 में स्वीकृत हुआ था। वित्तीय स्वीकृति न होने से 11 साल बीतने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है।

चक्का जाम का दिखने लगा असर, शहर के पेट्रोल पंप में खत्म हुआ पेट्रोल व डीजल

◆तीन दिन से शहर के पेट्रोल पंप में नहीं पहुंचा डीजल-पेट्रोल◆हिट एंड रन कानून के विरोध जारी हड़ताल से जन परेशान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नए कानून के विरोध में चल रहे चक्का जाम का असर आमजन के ऊपर पड़ने लगा है। हालात यह थी कि बुधवार को शहर के अधिकांश पट्रोल पंप में डीजल व पेट्रोल पूरी तरह खत्म हो गया था। ऐसे में वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। देवी रोड स्थित एक पेट्रोल पंप में तेल था तो वहां भी वाहन चालकों की लंबी कतार लगी हुई थी।

हिट एंड रन कानून में सजा के प्रवधान को कड़ा बनाने पर पिछले तीन दिन से वाहनों की हड़ताल चल रही है। जिसके कारण शहर में डीजल-पेट्रोल के टैंकर के साथ ही एलपीजी गैस के ट्रक तक नहीं पहुंचे है। ऐसे में शहरवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को दोपहिया वाहन चालक पेट्रोल की तलाश में भटकते हुए नजर आए। देवी रोड स्थित एक पेट्रोल पंप में ही पेट्रोल उपलब्ध था। लेकिन, यहां भी तेल भरवाने के लिए वाहन चालकों की लंबी कतार लगी हुई थी।

वहीं, शहर में एलपीजी गैस सप्लाई की व्यवस्था भी बिगड़ने लगी है। गैस गोदाम में केवल सीमित मात्रा में ही गैस सिलेंडर उपलब्ध है। ऐसे में यदि जल्द हड़ताल खत्म नहीं हुई तो इसका असर रसोई पर भी पड़ सकता है। वहीं, वाहन चालकों ने केंद्र व प्रदेश सरकार से कानून को वापस लेने की मांग उठाई। कहा कि कानून में सख्ती कर चालकों का उत्पीड़न किया जा रहा है। सरकार को चालकों के हित में गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

कोटद्वार के देवी रोड स्थित पेट्रोल पंप पर तेल भरवाने के लिए लगी लंबी कतार

पहाड़ों में भी बढ़ी समस्या

चक्का जाम का असर पर्वतीय क्षेत्रों पर भी पड़ने लगा है। पहाड़ के अधिकांश पेट्रोल पंप पर तेल खत्म हो गया था। वहीं, तीसरे दिन भी यात्रियों को वाहनों की तलाश में इधर-उधर भटकना पड़ा। पिछले तीन दिन से कोटद्वार से दिल्ली के लिए जाने वाली ट्रेन में यात्रियों की सबसे अधिक भीड़ नजर आ रही है।

थर्ड गढ़वाल राइफल्स व पौड़ी पैंथर्स ने जीता मैच

राजकीय स्टेडियम में शुरू हुआ ऐतिहासिक फुटबाल गढ़वाल कप

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शशिधर भट्ट राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में गढ़वाल कप का आगाज हो गया है। पहले दिन का मैच थर्ड गढ़वाल राइफल्स व पौड़ी पैंथर्स के नाम रहा। इस दौरान अतिथियों ने युवाओं को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने की सीख दी।

आयोजित गढ़वाल कप का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी ने स्व. शशिधर भट्ट के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए किया। इसके उपरांत विभिन्न विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर अपना बेहतर भविष्य बनाना चाहिए। उन्होंने गढ़वाल कप के आयोजन पर भी खुशी जताई। कहा कि गढ़वाल कप 1956 से शुरू हुआ था, जो अभी भी अनवरत जारी है। कहा कि कोटद्वार क्षेत्र में निरंतर खेल गतिविधियों से खेल का स्तर बढ़ा है। खेलों में जीत हासिल करना महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि खेलों में प्रतिभाग करना महत्वपूर्ण है। गढ़वाल कप आयोजन समिति के अध्यक्ष अरूण भट्ट ने सभी आगंतुको का आभार जताया। कहा कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों को खेल के ऊंचे फलक पर पहुंचाना है। इसके उपरांत प्रतियोगिता का पहला मैच स्पोर्टस क्लब कोटद्वार व थर्ड गढ़वाल राइफल्स के मध्य खेला गया। पहले हाफ तक दोनों टीमों में गोल के लिए कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दूसरे हाफ में गढ़वाल राइफल्स के राहुल ने शानदार गोल दागकर अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिलवाई। दूसरा मैच पौड़ी पैंथर्स व 15 वीं गढ़वाल राइफल्स के मध्य खेला गया। पौड़ी पैंथर्स ने 15वीं गढ़वाल राइफल्स को 3-2 से पराजित कर जीत दर्ज की। पौड़ी पैंथर्स की ओर से नीरज व मयंक ने गोल दागे। इस मौके पर मंडी समिति के अध्यक्ष सुमन कोटनाला, सिद्धबली मंदिर समिति के अध्यक्ष डा. जेपी ध्यानी, चंद्रजीत सिंह पटवाल, चांद मौला बख्श, वीरेंद्र रावत, मनीष भट्ट, रफन चौधरी, हरीश वर्मा आदि मौजूद रहे।

राजकीय स्पोर्टस स्टेडियम में गोल के लिए जूझते खिलाड़ी

सीपीआर के सही तरीके की जानकारी आवश्यक

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला अस्पताल को पीपीपी मोड़ पर संचालित कर रहे श्री महंत इन्द्रेश अस्पताल के द्वारा पराज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज पौड़ी में बेसिक लाइफ सपोर्ट पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में चिकित्सकों के द्वारा छात्र-छात्राओं को आपातकाल में सीपीआर के प्रयोग का लाइव प्रशिक्षण भी दिया गया।

जिला अस्पताल के एमएस और मुख्य प्रशिक्षक डॉ. अडाबाला विजय बाबु ने बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण में बताया कि आपातकाल में सीपीआर हार्ट अटैक के समय में बहुत ही उपयोगी साबित होता है।

बताया कि यदि अटैक के दस मिनट के भीतर मरीज को सीपीआर मिल जाए तो मरीज के जीवन को बचाया जा सकता है और इसके लिए सीपीआर के सही तरीके की जानकारी आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से आपातकाल में मरीज को दिए जाने वाले बेसिक लाइफ सपोर्ट पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस मौके पर इंस्टीट्यूट छात्र-छात्राएं और कर्मचारी मौजूद थे।

वार्डवासियों ने उठाई बेहड़ास्रोत पुलिया मरम्मत की मांग

कोटद्वार : वर्षों से क्षतिग्रस्त बेहड़ास्रोत पुलिया की मरम्मत नहीं होने से कुंभीचौड़ वासियों में आक्रोश बना हुआ है। वार्डवासियों ने जल्द मरम्मत कार्य प्रारंभ नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। कहा कि लाख आश्वासन के बाद भी अब तक पुलिया मरम्मत पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में वार्डवासियों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। बुधवार को वार्डवासियों की बैठक आयोजित की गई। कहा कि रतनपुर-कुंभीचौड़ क्षेत्र में बेहड़ास्रोत गदेरे में बनी पुलिया वर्ष 2016 में क्षतिग्रस्त हो गई थी। ऐसे में वार्डवासियों को जंगल से होते हुए आवाजाही करनी पड़ रही है। जिससे सबसे अधिक खतरा बच्चों व बजुर्गों को बना रहता है। कहा कि मुख्य मार्ग से जुड़ने वाली इस पुलिया की मरम्मत के लिए वार्डवासी कई बार अधिकारी व जनप्रतिनिधियों से गुहार लगा चुके हैं। लेकिन, हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही दिया जाता है। जबकि, हकीकत यह है कि आज तक किसी भी अधिकारी ने मौके पर झांककर नहीं देखा। कहा कि यदि जल्द पुलिया की मरम्मत का कार्य प्रारंभ नहीं हुआ तो वार्डवासी सड़क पर उतरकर आंदोलन को मजबूर होंगे। इस मौके पर वामदेव शाह, खलील अहमद, परवीन खातुन, परवीन खातून, रंजन प्रसाद, रामस्वरूप, दलवीर सिंह, सुमन देवी, हसीन प्रवीन, दुर्गा देवी, इंद्रा देवी आदि मौजूद रहे।

छात्रवृत्ति में आ रही जटिलताओं को दूर करने की मांग

एसोसएिशन ने विधानसभा अध्यक्ष को दिया ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अनुसूचित जाति-जनजाति शिक्षक एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने अनुसूचित जाति-जनजाति छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति में आ रही जटिलताओं को दूर करने की मांग की है। इस संबध में एसोसिएशन पदाधिकारियों ने विधानसभा अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन में कहा गया है वर्तमान में प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक अनुसूचित जाति-जनजाति के छात्र-छात्राओं की वर्ष 2023-24 हेतु छात्रवृत्ति आनलाइन प्रक्रिया बाधित चल रही है। इस कारण आवेदन करने वाले छात्र-छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबध में शिक्षा विभाग एवं समाज कल्याण विभाग की ओर से स्पष्ट दिशा निर्देश भी जारी नहीं किए गए हैं। छात्रों के मूल निवास सहित अन्य प्रमाण पत्र तहसील में समय से नहीं बन पा रहे हैं और प्रमाण पत्रों के अभाव में छात्रवृत्ति की आनलाइन प्रक्रिया पूर्ण करना संभव नहीं हो पा रहा है।

ज्ञापन में विधानसभा अध्यक्ष से अविलंब इस ओर ध्यान देने की अपील की गई है। ज्ञापन सौंपने वालों में एसोसिएशन अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह आर्य, जिलामंत्री जगदीश राठी, सोहनलाल, अमित भारती और सुजीत कुमार आदि थे।

समस्या के निराकरण को लेकर विधानसभा अध्यक्ष से मिलते एसोसिएशन के सदस्य

पूर्व सीएम त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने की राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से बुधवार को राजभवन में पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शिष्टाचार भेंट की।

सस्ते नमक के बाद अब सरकार की चीनी भी रियायती दर पर देने की तैयारी

देहरादून। सीएम पुष्कर सिंह धामी की फ्री राशन को लेकर एक और तैयारी की है। उत्तराखंड में सस्ते नमक के बाद अब 21 लाख परिवारों को चीनी भी रियायती दर पर मिल सकती है। हर परिवार को प्रतिमाह 25 रुपये प्रतिकिलो की दर से दो किलो चीनी देने की योजना है। सूत्रों के अनुसार, खाद्य मंत्री रेखा आर्या ने कुछ समय पहले राशनकार्ड धारकों को रियायती मूल्य पर चीनी व नमक देने की घोषणा की थी।

इस क्रम में करीब 14 लाख अंत्योदय व राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना (एनएफएसए) राशन कार्ड धारकों को हर माह आठ रुपये प्रतिकिलो के हिसाब से नमक देने का फैसला हो चुका है। अब खाद्य विभाग ने सस्ती चीनी का प्रस्ताव भी सरकार को सौंप दिया है। इसे जल्द कैबिनेट में लाया जाएगा।

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार,वर्तमान में उत्तराखंड के 1.81 लाख से अधिक अंत्योदय परिवारों को प्रतिमाह 13.50 रुपये प्रति किलो की दर से एक किलो चीनी दी जाती है। एनएफएसए के तहत करीब 12.10 लाख और राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के 9.88 लाख राशन कार्ड धारकों को अलग-अलग दर पर केवल गेहूं, चावल और दाल मिल रही है।

सूत्रों के अनुसार,कैबिनेट तय करेगी कि सस्ती चीनी के दायरे में सभी राशन कार्ड धारकों को रखना है या फिर सिर्फ अंत्योदय व एनएफएसए कार्डधारकों को। साथ ही राज्य की वित्तीय स्थिति के आधार पर कैबिनेट चीनी मूल्य कम या कुछ ज्यादा भी कर सकती है। वर्तमान में चीनी का बाजार भाव 40 रुपये किलो से ऊपर है।

सरकार आमजन की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए ही निर्णय कर रही है। धामी सरकार अंत्योदय परिवारों को वर्ष में तीन गैस सिलेंडर मुफ्त देने का निर्णय पहले ही कर चुकी है। इसके बाद नमक सस्ता किया जा चुका है। अब रियायती चीनी पर भी जल्द निर्णय ले लिया जाएगा। - रेखा आर्या, खाद्य मंत्री।

संक्षिप्त समाचार

48 घंटे में करें खराब स्ट्रीट लाइटों की शिकायतों का निस्तारण

देहरादून। जिलाधिकारी देहरादून और प्रशासक नगर निगम सोनिका ने पथ प्रकाश अनुभाग से वार्डों में खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को लेकर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। साथ ही अनुबंधित निजी कंपनी को खराब स्ट्रीट लाइटों से संबंधित शिकायतों का निस्तारण 48 घंटे के भीतर करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निगम में आयोजित बैठक में इस बात को लेकर नाराजगी जताई है कि नगर निगम के वार्डों में खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत में देरी हो रही है। नई लाइटें समय से नहीं लग पा रही। पथ प्रकाश अनुभाग से सौ वार्डों में खराब लाइटों को लेकर लिखित रिपोर्ट सौंपने को कहा है। इसके अलावा आईएसबीटी और रिस्पना पुल के बीच हाईवे पर स्ट्रीट लाइटें लगाने काम पूरा नहीं हो पाया है। अधिकारी ने जल्द प्रस्तावित काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं। ताकि वाहन चालकों, राहगीरों को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़े। इन दिनों कोहरा लगने के दौरान स्ट्रीट लाइटें बंद रहने से समस्या बढ़ गई है। वहीं बल्लूपुर, हरींवाला, अजबपुर फ्लाईओवर पर स्ट्रीट लाइटों के रख रखाव के लिए नैशनल हाईवे ऑथोरिटी से वार्ता करने के कहा है। ताकि बंद पड़ी लाइटों की मरम्मत हो सके। फ्लाईओवर पर स्ट्रीट लाइटों के बिजली भुगतान का भुगतान नहीं करने पर ऊर्जा निगम ने कनेक्शन काट दिया है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया कि खराब स्ट्रीट लाइटों के मरम्मत कार्य की लगातार मॉनीटरिंग की जाएगी। इसके अलावा जो नई लाइटें लगनी हैं, वह जल्द लगवाई जाएंगी।

वसंत विहार थाने की जमीन खाली करने के आदेश पर स्टे मिला

देहरादून। वसंत विहार थाने की जमीन खाली करने को लेकर हुए कोर्ट के आदेश पर पुलिस को स्टे मिल गया है। पुलिस की तरफ से मामले को लेकर जिला न्यायालय में अपील की गई। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए थाने की जमीन खाली करने के आदेश पर स्टे दिया। सुनवाई के लिए अगली तिथि तीन फरवरी नीयत की गई है। एसएसपी अजय सिंह ने इसकी पुष्टि की है। हरवंशवाला में डीटीसी इंडिया लिमिटेड की चाय बागान की जमीन है। कंपनी ने सिविल कोर्ट में केस फाइल किया। कहा कि साल 2003 में चाय बागान की कंपनी पर अवैध निर्माण करते हुए वसंत विहार नाम से थाना और काफी संख्या में कर्मचारियों के आवास बनाने शुरू किए गए।

परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी विदेश यात्रा के लिये हुये रवाना

-चलते-चलते पद्मश्री कैलाश खेर जी के कार्यक्रम में किया सहभाग

-विदेश यात्रा के पश्चात 22 जनवरी, 2024 को श्रीराम मन्दिर उद्घाटन समारोह में करेंगे शिरकत

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी अपनी विदेश यात्रा के लिये रवाना हुये। उससे पूर्व भारत मंडपम, दिल्ली में आयोजित सूफी आध्यात्मिक गायक पद्मश्री कैलाश खेर जी के कार्यक्रम में सहभाग किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध उद्योगपति भूपेन्द्र मोदी जी, दिलीप मोदी जी, पूरा मोदी परिवार और कबीर खेर भी उपस्थित थे। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी अपनी विदेश यात्रा के पश्चात 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में आयोजित श्रीराम उद्घाटन महोत्सव में सीधे सहभाग करेंगे।

चलते-चलते स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि 22 जनवरी, 2024 का दिन इतिहास में दर्ज किया जायेगा। इस दिन भव्य व दिव्य श्रीराम मन्दिर में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। यह दिन भारतीय इतिहास के पन्नों पर सुनहरे अक्षरों में लिखा जायेगा। वास्तव में यह केवल प्रभु श्रीराम की का मन्दिर नहीं बल्कि राष्ट्र मन्दिर है जिसकी प्रतिक्षा 500 वर्षो से हो रही थी।

इस अवसर पर स्वामी जी ने कला धाम अकादमी की शुरूआत करने के लिये पद्म कैलाश खेर जी का अभिनन्दन किया।

आज सावित्री बाई फुले जी की जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि नारियों की शिक्षा में सावित्री बाई फुले का अद्भुत योगदान है। वे एक एजुकेटर और एक्टिविस्ट के साथ सशक्त और सहृदय महिला थी, जो समाज के घोर विरोध के बावजूद स्वयं शिक्षित हुई और दूसरी नारियों को भी शिक्षित करने हेतु अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। 18 वीं व 19 वीं सदी में नारियों को शिक्षित करना और अस्पृश्यता आदि सामाजिक मुद्दों पर कार्य करना आसान नहीं था।

स्वामी जी ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से एक समृद्ध और सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। फुले दम्पति ने मिलकर जेंडर इक्वलिटी और सोशल जस्टिस के लिये कई कार्य किये। साथ ही उन्होंने सत्यशोधक समाज नामक एक संस्था शुरू की जिसके माध्यम से वे दहेज प्रथा को समाप्त करना चाहते थे, विधवा विवाह, अस्पृश्यता का अंत, नारी मुक्ति और पिछड़े समुदायों के लोगों, विशेष कर महिलाओं को शिक्षित करना उनके जीवन का उद्देश्य था।

सावित्रीबाई फुले ने अपनी मराठी कविताओं के माध्यम से अस्पृश्यता का अंत, जेंडर इक्वलिटी, मानवता, समानता, एकता, बंधुत्व और शिक्षा के महत्व आदि विषयों को उजागर किया। उन्होंने नारी शिक्षा के लिये स्वयं अपनी आवाज को बुलंद किया और पूरा जीवन नारी अधिकारों के लिये संघर्ष किया।

मुख्य सचिव ने की प्रदेश में गौशालाओं के निर्माण की प्रगति की समीक्षा

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने बुधवार को सचिवालय में प्रदेश में गौशालाओं के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में अधिक से अधिक गौशालाओं का निर्माण शीघ्र से शीघ्र किया जाए ताकि प्रदेश की सड़कों से गायों को हटाकर गौशालाओं में शिफ्ट किया जा सके।

मुख्य सचिव ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में शहरी विकास एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जिला परिषद के अंतर्गत यह कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि योजना से प्रदेश को पूर्ण रूप से सैचुरेट करने के लिए बजट की व्यवस्था मिसिंग लिंक से की जाएगी।

उन्होंने निर्देश दिए कि गौशालाओं को बड़ा बनाया जाए ताकि आने वाले 10-15 सालों तक उन्हें फिर से बढ़ाने की आवश्यकता न पड़े। इसके लिए पूर्व में भेजे गए छोटी गौशालाओं के प्रस्तावों को वापस लौटाकर अगले एक हफ्ते में बड़ी गौशालाओं के प्रस्ताव मांगे जाएं। उन्होंने अधिकारियों से अगले 10 दिन में सड़कों को लावारिस गायों से मुक्त किए जाने के लिए टाईमलाईन सहित कार्ययोजना प्रस्तुत किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि गौशालाओं के मैनेजमेंट और मॉनिटरिंग के लिए मैकेनिज्म भी तैयार किया जाए।

इस अवसर पर सचिव डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम,एच.सी. सेमवाल एवं अपर सचिव अरूणेन्द्र चौहान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

यूकेपीएससी को हस्तांतरित की गई 13 परीक्षाएं अब यूकेएसएसएससी कराएगा

देहरादून। उत्तराखंड में भर्ती घपलों के बाद उत्तराखंड राज्य लोक सेवा आयोग यूकेपीएससी-वड्ढरउ की हस्तांतरित की गई 13 परीक्षाएं अब उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी-वडररउ) कराएगा। सीएम पुष्कर धामी ने इसकी मंजूरी दे दी है।

सरकार ने पिछले साल सितंबर में यूकेएसएसएससी की पांच परीक्षाएं घपलों की आशंका में रद कर दी थी, जबकि 18 परीक्षाएं राज्य लोक सेवा आयोग को हस्तांतरित की थी। लोक सेवा आयोग में भी भर्ती घपले सामने आने के बाद इन परीक्षाओं का कैलेंडर गड़बड़ा गया था। आयोग पटवारी, पुलिस कांस्टेबल, फॉरेस्ट गार्ड, सहायक लेखाकार, जेल बंदी रक्षक की भर्ती प्रक्रिया पूरी कर पाया था। व्यवस्थाएं ढर्रे पर आने के बाद यूकेएसएसएससी सरकार से लगातार पूर्व में हस्तांतरित परीक्षाएं वापस करने की मांग कर रहा था। अब सरकार ने ऐसी कई परीक्षाएं आयोग से हस्तांतरित करने का फैसला लिया है, जिनकी भर्ती की विज्ञप्ति अभी जारी नहीं हुई है।

490.77 लाख की लागत से होगा बांयी खोह नहर का जीर्णोद्धार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : 490.77 लाख की लागत से बांयी खोह नहर का जीर्णोद्धार किया जाएगा। बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने मरम्मत कार्य का भूमि पूजन करते हुए काश्तकारों को हर बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाने का आश्वान दिया। कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार काश्तकारों के हितों को लेकर गंभीरता से कार्य कर रही है।

ग्रांस्टनगंज में 490.77 लाख रुपये की लागत से होने वाले बांयी खोह नहर के पुनरुद्धार के कार्यों का भूमि पूजन किया। बताते चलें कि बांयी खोह नहर काफी समय से जीर्ण शीर्ण हालत में थी और बरसात में नहर पूर्णतया क्षतिग्रस्त हो गई थी।

इससे क्षेत्र वासियों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा था। विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को युद्ध स्तर पर नहर मरम्मत का प्रस्ताव बनाने और शासन को भेजने के निर्देश दिए थे जिस पर शासन द्वारा नहर के जीर्णोद्धार हेतु 490.77 लाख की लागत स्वीकृत की गई। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि कोटद्वार में सिंचाई नहरों की जीर्ण शीर्ण स्थिति से वे अवगत हैं और उन्होंने नहरों के जीर्णोद्धार करने का जिम्मा उठाया है। नहरों के जीर्णोधार से किसानों को सिंचाई हेतु पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हो सकेगा। इस दौरान सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अजय जौन, मंडी अध्यक्ष सुमन कोटनाला, पंकज भाटिया, सुनीता कोटनाला, मानेश्वरी बिष्ट, नीरज चमोली, दीपक पाण्डेय और संजय रावत आदि मौजूद रहे।

भूमि पूजन के दौरान जनता को संबोधित करते विधानसभा अध्यक्ष

अपराधों में कमी लाने में कामयाब रही पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : बीते साल में पुलिस अपराधों में कमी लाने में कामयाब रही है। जिले की पुलिस जहां लगातार जागरूकता अभियान चला रही है, वहीं स्कूली बच्चों को आत्मरक्षा के गुर सिखाएं जा रहे है। जिले में बीते साल में 307 अपराध ही पंजीकृत हुए, जबकि 2022 में 386 अपराध पंजीकृत हुए थे।

एसएसपी श्वेता चौबे ने बताया कि पौड़ी पुलिस बीते साल एक्टिव मोड में रही। अपराधों के खुलासों के साथ ही पुलिस द्वारा स्कूलों, कॉलेजों में जाकर छात्र-छात्राओं को एक साझा प्रयास पुलिस वाला गुरुजी का साथ अभियान चलाकर स्कूली बच्चों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। विभिन्न मंचों के माध्यम से साइबर फ्रॉड व नशे के दुष्प्रभाओं के बारे में भी लोगों को जागरुक किया गया। उन्होंने बताया कि चोरी के 2022 में जहां 36 अपराध पंजीकृत हुए वही 2023 में मात्र 15 अपराध पंजीकृत हुए। चोरी की घटनाओं में भी करीब 53 फीसदी की कमी आई।

नशीली दवाओं का सेवन रोकने को स्कूलों लगेंगे शिविर

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी के तत्वावधान में 15 जनवरी तक युवाओं को नशीले पदार्थों, कानूनी जानकारी नशीले दवाओं के दुरुपयोग हेतु शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। सिविल जज एवं प्राधिकरण के सचिव ने शिक्षा विभाग को 16 जनवरी से स्कूल खुलने पर स्कूलों में बच्चों को नशीले पदार्थों से सुरक्षित रहने को लेकर शिविर के आयोजन करने के निर्देश दिये। उन्होंने पुलिस विभाग को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक करने को कहा।

सिविल जज एवं प्राधिकरण के सचिव अकरम अली ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के पीड़ितों को कानूनी सेवाएं और नशीली दवाओं के उन्मूलन के लिए कानूनी सेवाएं योजना 2015 के संबंध में शिविर के आयोजन को लेकर शिक्षा, पुलिस, स्वास्थ्य, बाल विकास विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि बच्चों को नशीले पदार्थों का सेवन करने से कैसे रोका जाए इसके लिए लोगों को जागरूक करना जरूरी है। जिससे आने वाली पीढ़ी नशीले पदार्थों का सेवन करने से बच सकेंगे।

कहा कि स्कूलों में नशीलें पदार्थों की रोकथाम हेतु बच्चों से चित्रकला प्रतियोगिता, स्लोगन व रैली का आयोजन करवाएं। कहा कि जो छात्रछात्राएं इन प्रतियोगिताओं में अव्वल रहेंगे उन्हें सम्मानित भी किया जाएगा। बैठक में पुलिस निरीक्षक मो. अकरम, स्वास्थ्य विभाग से डा. सौरभ बौंठियाल आदि मौजूद रहे।

प्रत्येक विद्यालय में लगवाई जाएं सावित्रीबाई फुले तस्वीर

जयंती पर प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले को किया गया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की जयंती पर शैल शिल्पी विकास संगठन ने उनके कार्यों को याद किया। कहा कि समाज के बेहतर उत्थान के लिए दिए गए सावित्रीबाई फुले के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस दौरान प्रदेश सरकार से प्रत्येक विद्यालय में सावित्रीबाई फुले की तस्वीर लगवाने की मांग की है। कहा कि इससे विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलेगी।

बुधवार को राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष विकास कुमार आर्य व राजेंद्र सिंह नेगी ने की। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए सावित्रीबाई के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। सावित्रीबाई के जीवन से युवाओं को प्रेरणा मिले इसके लिए प्रत्येक विद्यालय में उनकी प्रतिमा लगाई जानी चाहिए। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को सावित्रीबाई के जीवन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर प्रधानाचार्य मनवर लाल भारती, मनवर सिंह आर्य, सुरेंद्र शमशेर, सुरवीर खेतवाल, अनूप कुमार पाठक, शिव कुमार, केशी राम निराला, विनोद कुमार, धर्मेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

सावित्रीबाई फुले को याद करते संगठन के सदस्य ।

भाजपा में दलित विधायक को प्रताड़ित करना मानसिकता का द्योतक : उविपा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखण्ड विकास पार्टी ने कहा कि पुरोला से विधायक दुर्गेश्वर लाल को भाजपा सरकार में मंत्री ने अपशब्द कह कर प्रताड़ित किया, जो कि भाजपा की दलितों के प्रति मानसिकता का परिचायक है।

उत्तराखण्ड विकास पार्टी ने कहा कि विधायक जनता का प्रतिनिधि है और कोई अधिकारी जनता को प्रताड़ित कर रहा है तो उसका फौरन तबादला हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भाजपा सरकार बिना जॉच के पीसीएस अधिकारी बर्नवाल और आइएएस जोगदंडे आदि अधिकारियों का तबादला कर सकती है, तो आईएफएस अधिकारियों के तबादले पर वन मंत्री का दबाव बनाना बताता है कि जनता और विधायक को प्रताड़ित करने में वन मंत्री का सीधा हाथ है। जब हॉफ जॉच में अधिकारी को सस्पेंड करने की बात कर रहे थे तब वन मंत्री द्वारा मना किया जाना बताता है कि अंदर खाने मूल निवासियों के हक हकूकों पर डाका डाला जा रहा है। पद पर रहते हुए अधिकारी के खिलाफ कौन कर्मचारी बयान देगा। स्पष्ट है कि जॉच के नाम पर खानापूर्ति की जा रही थी।

उविपा के अध्यक्ष मुजीब नैथानी ने कहा कि कुछ दिन पहले वायरल हुए वीडियो में वन मंत्री ने हाईकोर्ट तक को अपशब्द कहे, इससे पहले बेरोजगारों को भी अपशब्द कह कर भगा दिया था व हल्द्वानी के एक व्यवसायी ने इसी व्यवहार से दुःखी होकर भाजपा कार्यालय में इनके सामने ही जहर पी कर अपनी जान दे दी थी। इतना सब हो जाने के बावजूद भाजपा नैतिकता के आधार पर भी वन मंत्री से इस्तीफा नहीं मांग पा रही है, तो यही प्रतीत होता है कि मूल निवासियों के हक हकूकों पर मोदी सरकार में डाका डलवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों से कॉर्बेट नेशनल पार्क के बफर जोन में रहने वाले मूल निवासियों के हक हकूक भी बहाने बना कर नहीं दिए जा रहे हैं, जो कि वाकई चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार मूल निवासियों के हक हकूकों को इसी प्रकार धीरे-धीरे खत्म कर रही है ताकि जनता को पता चलने तक चिड़िया खेत चुग जाए।

सिसई में फुटबॉल टूर्नामेंट पांच को

पौड़ी : विकासखंड बीरोंखाल के जय भैरव नाथ खेल मैदान सिसई में 5 जनवरी को फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा हैं। फुटबॉल खेल समिति सिसई अध्यक्ष शेखरानंद पोखरियाल ने बताया कि सभी खेल प्रेमी अपनी टीम की इंट्री चार जनवरी को समिति के सदस्यों के पास जाम करवा दें।

शहर की समस्याएं जल्द हल करें : पोरी

पौड़ी : शहर की विभिन्न समस्याओं को हल करने को लेकर विधायक ने जिलाधिकारी के साथ बैठक की। विधायक ने शहर की समस्याएं जल्द हल करने को कहा। डीएम सभागार में आयोजित बैठक में विधायक राजकुमार पोरी ने डीएम डॉ. आशीष चौहान से नगर की पार्किंग, पेयजल, कूड़ा निस्तारण, बस स्टेशन की साफ-सफाई, शहर में अवैध अतिक्रमण हटाने सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर चर्चा की। डीएम ने शहर की समस्याओं को जल्द हल करने को लेकर संबंधित अफसरो को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

पेट्रोल के लिए भटकते रहे लोग

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर में पेट्रोल की किल्लत होने से वाहन चालकों को इधर-उधर भटकना पड़ा। मंगलवार देर सांय श्रीनगर के चारों पेट्रोल पंपों में डीजल व पेट्रोल न मिलने से यात्री सहित लोग परेशान रहे। साथ ही बुधवार दोपहर तक आपूर्ति सामान्य न होने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। (एजेंसी)

टैक्सी और बसों की आवाजाही हुई शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : हिट एंड रन एक्ट को लेकर केंद्र सरकार के आश्वासन पर वाहन चालकों ने अपनी हड़ताल वापस ले ली है। बुधवार से श्रीनगर में टैक्सी/मैक्सी और बसों की आवाजाही सुचारू रूप से शुरू हो गयी है। बीते मंगलवार को हड़ताल के कारण परिवाहन सुविधा पूर्ण रूप से बंद होने से यात्रियों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। वाहनों के न मिलने से यात्री बेबस नजर आये। बुधवार को वाहन चालकों की हड़ताल खत्म होने से यात्रियों ने राहत की सांस ली। श्रीनगर अलकनंदा टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष बीरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि उत्तराखंड महासंघ ऋषिकेश और पर्वतीय महासंघ के हड़ताल वापस लेने का पत्र मिलते ही वाहनों की आवाजाही शुरू कर दी गयी है।

सर्द मौसम में भी धधक रहे दीवा रेंज से सटे जंगल

पौड़ी : सर्द मौसम में कुमाऊं वन प्रभाग जौरासी रेंज की आग गढ़वाल वन प्रभाग की दीवा रेंज के जंगलों तक पहुंच गई है। दीवा रेंज से सटे जंगल दो दिनों से धधक रहे हैं, लेकिन दीवा रेंज के अधिकारी आग लगने की सूचना नहीं होने की बात कह रहे हैं। हालांकि धुमाकोट रेंज अधिकारी का कहना है कि शीघ्र आग को काबू करने के लिए टीम भेजी जा रही है।

हालांकि वन अधिकारी इस आग को कंट्रोल बर्निंग मान कर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं। क्षेत्र के निवासी अनिल सिंह, कृपाल सिंह, शमशेर पोखरियाल का कहना है कि विभाग वनाग्नि को लेकर कतई गंभीर नहीं दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि यदि आग को काबू नहीं किया गया तो वहां धीरे-धीरे सगोड़ी, सिलवाणी डांडा, चांदपुर की ओर बढ़ जाएगी, जिससे ग्रामीणों को भी खतरा हो सकता हैं। मंगलवार से धधक रहे दीवा रेंज के जंगलों में लगी आग से विभाग की कई वन भूमि जलने का अंदेशा हैं। धुमाकोट रेंज अधिकारी महेन्द्र रावत ने बताया कि कुमाऊं जौरासी रेंज की आग दीवा रेंज तक पंहुच गई है। शीघ्र आग को काबू करने के लिए टीम भेजी जा रही है। उधर गढ़वाल प्रभाग पौड़ी की उपप्रभागीय वन अधिकारी लक्की शाह ने बताया कि उन्हें जौरासी रेंज की आग दीवा से सटे हुए जंगलों में पंहुचने की सूचना नहीं हैं। रेंज अधिकारी से पूरी जानकारी ली जा रही है।

श्रीनगर में निकाली अक्षत कलश यात्रा

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर के कटकेश्वर महादेव मंदिर में अक्षत कलश शोभा यात्रा निकाली गयी। 22 जनवरी को श्रीराम मंदिर का अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा होने से पहले श्रीनगर पहुंची अक्षत कलश यात्रा निकाली गयी।अयोध्या से पूजित अक्षत कलश शोभा यात्रा कटकेश्वर महादेव (घसिया महादेव) में पूजा अर्चना करने के बाद एजेंसी मौहल्ला, नागेश्वर मंदिर से कोठड होते हुए झूला पुल होते हुए वापस घसिया महादेव पर सम्पन्न हुई। यात्रा के दौरान अयोध्या से पूजित अक्षत को प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता अतर सिंह असवाल, कार्यक्रम के संयोजक विनय घिल्डियाल, कटकेश्वर महादेव के महंत महेश गिरी, अंजना डोभाल, रेनू सुन्दरियाल, खिलेन्द्र चौधरी सहित आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

न्यूजीलैंड में सडक़ दुर्घटनाओं में करीब 19 लोगों की मौत

वेलिंगटन ,एजेंसी। न्यूजीलैंड में क्रिसमस–नए साल की अवधि के दौरान सडक़ हादसों में करीब उन्नीस लोगों की मौत हो गई, जो पांच साल पहले की तुलना में लगभग दोगुनी है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गयी। न्यूज़ीलैंड ऑटोमोबाइल एसोसिएशन (एए) के सडक़ सुरक्षा प्रवक्ता डायलन थॉमसन ने कहा, 'देश में सडक़ सुरक्षा पिछड़ रही है। अच्छे वाहन चालकों के साथ भी घातक दुर्घटनाएं हो सकती हैं।' उन्होंने चालकों को लापरवाह न होने की चेतावनी दी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2023 में सडक़ संबंधी मौतें 343 तक पहुंच गईं, जो एक साल पहले 372 से कम है। स्थानीय परिवहन अधिकारियों ने कहा कि बड़ी संख्या में दुर्घटनाएं सडक़ों पर वाहन चालकों के व्यवहार, जैसे सीट बेल्ट न पहनने के कारण होती हैं।

इजरायली सेना के साथ संघर्ष में हिज़्बुल्लाह लड़ाका मारा गया

बेरूत ,एजेंसी। लेबनान की दक्षिणी सीमा पर इजरायली बलों के साथ संघर्ष में एक हिजबुल्लाह लड़ाका मारा गया। लेबनानी सैन्य सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इजरायल ने लेबनान के दक्षिणी गांव हौला में एक घर पर दो मिसाइलें दागीं, जबकि उसके युद्धक विमानों ने इजरायल की सीमा से लगे कई लेबनानी गांवों और कस्बों पर 11 हवाई हमले किए। सूत्रों ने बताया कि इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान की ओर लगभग 100 गोले दागे, जिनमें कफरचौबा, हौला, अल–अदायसेह, मरून अल–रास और नकौरा शहर के गांव शामिल हैं। इस बीच, हिजबुल्लाह ने कहा कि उसके लड़ाकों ने अल–मर्ज के आसपास और अल–समाका, बिरकत रिशा सहित अन्य जगहों पर इजरायली सैनिकों के एक समूह पर कई हमले किए। लेबनानी सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच टकराव में अब तक लेबनानी पक्ष के 192 लोग मारे गए हैं, जिनमें 137 हिजबुल्लाह सदस्य और 35 नागरिक शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि लेबनान–इजरायल सीमा पर आठ अक्टूबर, 2023 से तनाव बढ़ रहा है, जब पिछले दिन लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने इजरायल पर हमास के हमले के समर्थन में इजरायल की ओर रॉकेट दागे थे, जिसके जवाब में इजरायल ने दक्षिणपूर्वी लेबनान की ओर गोलीबारी की।

कोलोराडो सुप्रीम कोर्ट में घुसकर गोलीबारी, बंदूकधारी गिरफ्तार

डेनवर ,एजेंसी। कोलोराडो सुप्रीम कोर्ट में एक बंदूकधारी ने घुसकर एक सुरक्षा गार्ड को बंधक बना लिया और गोलीबारी की। कुछ देर बाद स्थानीय पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। कोलोराडो राज्य गश्ती (सीएसपी) के अनुसार, घटना सुबह 1.15 बजे हुई। संदिग्ध की पहचान 44 वर्षीय ब्रैंडन ऑलसेन के रूप में की गई, वह खिडक़ी के जरिए कोर्ट में घुसा था।कोर्ट में घुसने के बाद उसने सीएसपी की कैपिटल सुरक्षा इकाई के एक गार्ड को बंदूक की नोक पर बंधक बना लिया और उससे चाबियां लेकर कोर्ट के अन्य हिस्सों में चला गया। इसके बाद उसने अंदर गोलाबारी की और लगभग 3 बजे स्वेच्छा से आत्मसमर्पण कर दिया।

श्रमजीवी एक्सप्रेस बम कांड के दोषी दोनों आतंकियों को मौत की सजा, 14 लोगों की गई थी जान

जौनपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जौनपुरि के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेश कुमार राय ने आज से लगभग साढ़े 18 साल पहले श्रमजीवी एक्सप्रेस पर हुए आतंकवादी हमले के दो आरोपी आतंकवादियों नफीकुल विश्वास (मुर्शिदाबाद बंगाल) और हिलालुद्दीन उर्फ़ हिलाल (बांग्लादेश) को बुधवार को मृत्यदंड तथा 5–5 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। इसके पूर्व दो आरोपी आतंकवादियों आलमगीर उर्फ रोनी और ओबैदुर रहमान उर्फ बाबू भाई को 30 एवं 31 अगस्त 2016 को जिले के तत्कालीन अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम बुधिराम यादव द्वारा फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है।

जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सतीश कुमार पाण्डेय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 28 जुलाई 2005 को उत्तर प्रदेश् के जौनपुर जिले के हरपालगंज (सिंगरामउ) व कोइरीपुर (सुल्तानपुर) रेलवे स्टेशनो के बीच हरिहरपुर रेलवे क्रासिंग पर श्रमजीवी एक्सप्रेस में हुए भीषण बम विस्फोट में 14 लोग मारे गए और कम से कम 90 लोग घायल हो गये थे। इस बम विस्फोट में शैफफैजल, कुनाल, सुधीर कुमार, परमशिला , विनोद, रविदास, कमालुद्दीन, सुबास ठाकुर, कुमारी कविता, सुबोध बढ़ई, अरविन्द सिंह, संतोष, दिगम्बर चौधरी, सफीक उर्फ डब्बू और अमरनाथ चौबे की जाने गयी थी। बम विस्फोट के पीछे आतंकवादी ओबैदुर्रहमान उर्फ बाबू भाई (बंगलादेश) नफीकुल विशवास (मुर्शीदाबाद), सोहाग खान उर्फ हिलाल उर्फ हिलालुद्दीन (बंगलादेश्), मोहम्मद आलमगिर उर्फ रोनी (बंगलादेश), डाक्टर सईद और गुलाम राजदानी का हाथ होने के बारे में पता चला। इसमें से डाक्टर सईद का अभी तक कोई सुराग नही मिला है जबकि एक आरोपी गुलाम राजदानी उर्फ याहिया को मुठभेड़ में मारा जा चुका है।इस घटना को अंजाम देने की योजना राजशाही बांग्लादेश में बनी थी ।

घटना में शामिल अन्य आतंकवादीयों में से डॉ सईद अभी फरार चह रहा है, उसकी गिरफ्तारी के लिए इण्टरपोल की मदद ली जा रही है। इस मामले में पुलिस ने पहले तीन आरोपी आतंकवादी क्रमशः ओबैदुर्रहमान, हिलालुद्दीन व नफीकुल विश्वास को पहले गिरफ्तार कर लिया है और तीनों को जौनपुर कारागर में बन्द किया गया था। वर्ष 2007 में दिल्ली में मो0 आलमगीर उर्फ रोनी को गिरफ्तार किया और उसे तिहाड़ जेल में रखा गया है वही से हर पेशी पर जौनपुर लाया जाता था। इस मामले की सुनवाई जिले के तत्कालीन अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश् (प्रथम) बुद्धिराम यादव कर रहे थे, उन्होंने 30 अगस्त 2016 को आलमगीर उर्फ रोनी और 31 अगस्त 2016 को ही ओबैदुरहमान उर्फ बाबू भाई के मामलों में दोनो आरोपियो को फांसी की सजा और 10–10 लाख रुपये जुर्माना की सजा सुना चुके हैं। इस समय इस मामले के दो आरोपियों नफी कुल विश्वास और हिलालुद्दीन उर्फ हिलाल की सुनवाई जिले के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (प्रथम) राजेश कुमार राय ने आज मंगलवार को दोनों को मृत्यु दंड की सजा एवं 5–5 लाख रुपए जुर्माना से दंडित करने का आदेश दिया है । इस मामले में दिल्ली के सहायक पुलिस आयुक्त संजीव यादव भी वतौर साक्षी अपना बयान दे चुके है।

अभियोजन के अनुसार बांग्लादेश निवासी मुहिबुल ने तिहाड़ जेल में एसीपी को बयान दिया था कि श्रमजीवी में बम रखकर विस्फोट करने का उद्देश्य हिंदुस्तान में आतंक फैलाना था, इसके साथ ही भारत के लोगों को मार कर नकली नोट चला कर जेहाद करना था, जिसे दुनिया देखे आतंक फैले और भारत व यहां के लोग तवाह हो। श्रमजीवी बम काण्ड में सजा पाए हिलालुद्दीन व नफीकुल के पास शुरुआत में कोई वकील नहीं था , उनके पास कोई जमानत दार भी नहीं था, इसलिए सरकार की तरफ से पैरवी करने के लिए एमकस क्यूरी ताजुल हसन नियुक्त किए गए, सरकारी वकील ने बताया कि उनके मुकदमे में बहस करने के लिए पूर्व में आजमगढ़ के वकील आते थे वर्तमान में बहस के समय दिल्ली के अधिवक्ता आरिफ आए थे। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सतीश पांडेय एवं सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता वींरेंद्र मौर्य ने कहा कि अदालत द्वारा आतंकियों को मृत्युदंड की सजा देने का फैसला सही है, अदालत में न्याय किया है , इसके पूर्व भी दो आतंकियों को मृत्यु दंड की सजा हो चुकी है। सजा सुनाते समय सिविल कोर्ट परिसर में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।

दबाव डालने के लिए सरकारी अधिकारियों की उच्च न्यायालयों में पेशी स्वीकार नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने अदालतों में सरकारी अधिकारियों की व्यक्तिगत पेशी के मामले में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) निर्धारित करते हुए बुधवार को कहा कि अवमानना की चेतावनी के तहत सरकार पर दबाव बनाने के लिए उनके अधिकारियों को उच्च न्यायालयों की ओर से तलब करना स्वीकार नहीं किया जा सकता।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से व्यक्तिगत उपस्थिति के लिए कहना या उनके हलफनामों पर भरोसा करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि सभी उच्च न्यायालयों को उसकी एसओपी को ध्यान में रखते हुए अदालत में सरकारी अधिकारियों की उपस्थिति के संबंध में नियम बनाने पर विचार करना चाहिए। पीठ ने अवमानना की धमकी देकर सरकार पर दबाव बनाने के लिए सरकारी अधिकारियों को बार–बार तलब करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आचरण की आलोचना करते हुए कहा कि यह स्वीकार्य नहीं है। पीठ ने फैसले के कुछ अंश पढ़ते हुए कहाकि सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले कानून अधिकारियों पर भरोसा करने के बजाय अधिकारियों को बार–बार बुलाना संविधान द्वारा परिकल्पित योजना के विपरीत है।

पीठ ने सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के लिए घरेलू मदद और अन्य सुविधाएं प्रदान करने के निर्देशों का पालन न करने पर राज्य सरकार के अधिकारियों के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय की अवमानना कार्रवाई को रद्द कर दिया। पीठ ने यह भी कहा कि अदालतों को सरकारी अधिकारियों के खिलाफ उनकी शक्ल, पोशाक, शैक्षणिक योग्यता आदि पर अपमानजनक टिप्पणी करने से बचना चाहिए। शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक अवमानना की शक्ति लागू नहीं की जा सकती। शीर्ष अदालत ने अगस्त 2023 में कहा था कि वह सरकारी मामलों पर विचार करते समय सरकारी अधिकारियों को अदालतों में तलब करते समय अदालतों के लिए दिशानिर्देश देगी। शीर्ष अदालत ने पिछले साल जून में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसके द्वारा उत्तर प्रदेश के तत्कालीन वित्त सचिव एसएमए रिज़वी और विशेष सचिव (वित्त) सरयू प्रसाद मिश्रा को सेवानिवृत्ति के बाद कुछ लाभ प्रदान करने के उसके आदेश का पालन करने में विफल रहने के लिए हिरासत में ले लिया गया था।

केजरीवाल ने इडी के सामने पेश होने से किया इन्कार, 'आप' ने नोटिस को बताया अवैध

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बुधवार को तीसरी बार दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश होने से इनकार कर दिया। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता सौरभ भारद्वाज ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ईडी के समन अवैध और राजनीति से प्रेरित हैं। उन्होंने नोटिस की टाइमिंग पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, "ऐसे समय में जब लोकसभा चुनाव नजदीक हैं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार करने से रोकने और उन्हें जेल में डालने के लिए ईडी का इस्तेमाल कर रही है।" उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा ईडी से स्पष्टीकरण मांगने के बावजूद कि अरविंद केजरीवाल को किस हैसियत से बुलाया जा रहा है। भारद्वाज ने कहा, "दिल्ली के मुख्यमंत्री न तो आरोपी हैं और न ही गवाह हैं।" आप नेता ने कहा, "लगभग एक साल से मनीष सिसोदिया जेल में हैं और ईडी ने अभी तक उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं जुटाया है और अब वे अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करना चाहते हैं।"

अमेरिका में भारतीय मूल के दो व्यक्तियों पर विमान मैकेनिक का अपहरण व हत्या का आरोप

न्यूयॉर्क , एजेंसी । अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा में एक संघीय ग्रैंड जूरी ने पिछले महीने लापता हुए एक हवाई जहाज मैकेनिक के अपहरण और हत्या के लिए भारतीय मूल के दो पुरुषों सहित तीन लोगों पर आरोप लगाया है। फ्लोरिडा के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय दक्षिणी जिले ने एक हालिया विज्ञप्ति में कहा, ओपा–लॉका हवाई अड्डे और फोर्ट लॉडरडेल कार्यकारी हवाई अड्डे पर काम करने वाले सुरेन शीतल (36) का शव 21 नवंबर, 2023 को बिग साइप्रस नेशनल प्रिजर्व में पाया गया था।

एविन स्मॉल्स सीताराम (24), सोमजीत क्रिस्टोफर लिल क्रिस सिंह (29), और ब्रोवार्ड काउंटी के गेविन हंटर (18) पर हत्या, अपहरण की साजिश, अपहरण और न्याय में बाधा डालने का आरोप लगाया गया है। पहले दर्ज की गई आपराधिक शिकायत में शामिल आरोपों के अनुसार, शीतल को आखिरी बार 2 नवंबर, 2023 को जीवित देखा गया था, जब वह काम छोड़ रहे थे।

काम छोडऩे के बाद, उनका टेलीफोन सिंह के एयर कंडीशनिंग व्यवसाय, डॉ. एचवीएसी के पास था, उसके तुरंत बाद नेटवर्क बंद हो गया। मियामी–डेड निवासी को दो दिन बाद त्रिनिदाद की यात्रा पर निकलने से पहले कुछ काम करना था, लेकिन जब वह कभी घर नहीं लौटा, तो उसके परिवार ने गोफनमे पेज पर कहा। डब्ल्यूपीटीवी समाचार चैनल ने के मुताबिक अधिकारियों ने एक आपराधिक रिपोर्ट में आरोप लगाया कि सिंह पर शीतल का लगभग 315,000 डॉलर बकाया था, और सीतल की प्रेमिका ने कानून प्रवर्तन को बताया कि उसका साथी अपना कर्ज वसूलने की कोशिश कर रहा था।

समाचार चैनल ने अदालती दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा कि शीतल और सोमजीत आतिशबाजी कारोबार में काम करने के दौरान एक–दूसरे को जानते थे। दस्तावेज़ों में आगे दावा किया गया है कि तीनों संदिग्ध तब तक बातचीत कर रहे थे, जब तक कि सीतल के गायब होने की रात उसके फोन का सिग्नल बंद नहीं हो गया।

सीबीआई के पास नहीं जाएगा अडानी–हिंडनबर्ग विवाद,सुको का निर्देश, तीन महीने में जांच पूरी करे सेबी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने अडानी–हिंडनबर्ग विवाद की जांच भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) से हटाकर सीबीआई को सौंपने की याचिका बुधवार को खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि जांच किसी अन्य एजेंसी को सौंपने का कोई आधार नहीं है। पीठ ने पहले से जांच कर रही विशेषज्ञ समिति के सदस्यों के खिलाफ हितों के टकराव के आरोप को भी निराधार बताया। उन आरोपों को खारिज करते हुए सेबी को तीन महीने के भीतर अपनी जांच पूरी करने का निर्देश दिया। पीठ की ओर से फैसला सुनाते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सेबी के नियामक ढांचे में दखल देने की इस अदालत की शक्ति सीमित है।

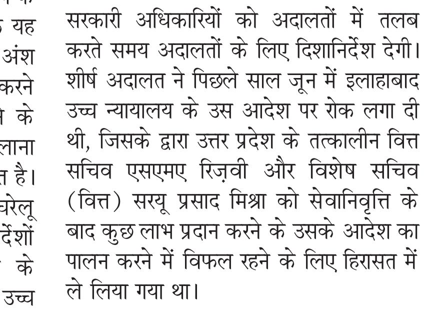

उन्होंने कहा कि सेबी ने 22 में से 20 मामलों में जांच पूरी कर ली है। सॉलिसिटर जनरल के आश्वासन को ध्यान में रखते हुए, "हम सेबी को अन्य दो मामलों में तीन महीने के भीतर जांच पूरी करने का निर्देश देते हैं।" पीठ पिछले साल 24 नवंबर को कहा था कि वह अडानी समूह के खिलाफ हिंडनबर्ग रिपोर्ट को वास्तविक स्थिति के रूप में नहीं देख सकता है। इस वजह से उसने सेबी से जांच करने के लिए कहा था। पीठ ने यह भी स्पष्ट कर दिया था कि केवल मीडिया रिपोर्टों के आधार पर और उसके आदेशों से प्रभावित संस्थाओं को सुने बिना जांच का आदेश नहीं दिया जा सकता है।

शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार और सेबी को नियामक ढांचे को मजबूत करने के लिए विशेषज्ञ समिति पर विचार करने के लिए भी कहा है।

शीर्ष अदालत ने वकील विशाल तिवारी, वकील एम एल शर्मा, कांग्रेस नेता जया ठाकुर, सामाजिक कार्यकर्ता अनामिका जायसवाल और अन्य की ओर से दायर जनहित याचिकाओं पर 24 नवंबर 2023 को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। जनवरी 2023 में प्रकाशित हिंडनबर्ग (अमेरिका स्थित शॉर्ट–सेलिंग फर्म) की रिपोर्ट में गौतम अडानी के नेतृत्व वाले समूह की ओर से "धोखाधड़ी" और "स्टॉक हेराफेरी" का दावा किया गया था। हालाँकि, समूह ने उस रिपोर्ट को "दुर्भावनापूर्ण रूप से शरारती" कहकर खारिज कर दिया था।

सम्पादकीय

सख्त कानून से ही दुर्घटना नियंत्रण

पिछले तीन दिनों से "हिट एंड रन" के मामले में बनाए गए कानून का गतिरोध फिलहाल थम गया है, लेकिन हमारे देश में जिस गति से दुर्घटनाओं में लोग मारे जाते हैं उसके बाद कहीं ना कहीं एक ऐसे सशक्त कानून की जरूरत तो नजर आ ही रही है जो इन आंकड़ों पर थोड़ी रोकथाम लगा सके। फिलहाल तो सरकार ने कानून को आपसी रजामंदी के बाद ही लागू करने का फैसला लिया है लेकिन क्या इस सबसे दुर्घटनाओं पर लगाम कसी जा सकेगी? हमारे देश में इतने लोग बीमारियों से नहीं मारते जितने की प्रतिवर्ष दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। साल 2021 में हिट एंड रन के 57415 मामले सामने आए थे, जिसमें 25 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई. साल 2022 में ये आंकड़ा बढ़कर 67,387 तक पहुंच गया, जिनमें 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई। भारत में साल 2022 में कुल 4 लाख 61 हजार से ज्यादा सड़क हादसे हुए. जिनमें 1 लाख 68 हजार लोगों की मौत हो गई, वहीं बीते साल रोज 1264 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 462 लोगों की मौत हो गई। हर घंटे के हिसाब के देखें तो 53 सड़क दुर्घटनाएं हर घंटे हुईं और इनमें से 19 लोगों की मौत हो गई। यानी की अनुमान लगाया जाए तो आंकड़ों के अनुसार हर मिनट सड़क दुर्घटनाओं को देखें तो भारत में हर एक मिनट में सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत होती है। हर साल मौतों और सड़क दुर्घटनाओं का ये आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। यह आंकड़े काफी चिंताजनक है और इन परिस्थितियों में कुछ ना कोई ऐसा हल तो निकालना ही होगा जो दुर्घटनाओं के आंकड़ों पर रोकथाम लगा सके। "हिट एंड रन" के मामले में जो नया कानून लागू किया है उसमें विवाद काफी बढ़ गया है लेकिन सवाल यह उठता है कि आखिर इस प्रकार के मामलों को काम करने के लिए किन प्रयासों को अमल में लाया जाए? वाहनों की संख्या बढ़ने के साथ ही सड़कों की चौड़ीकरण काफी कम काफी तेज गति से हुआ है जिसने न केवल वाहनों की रफ्तार बढ़ाई है बल्कि दुर्घटनाओं की संख्या में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है। हालांकि विभिन्न एजेंसियों द्वारा वाहनों की गति पर रोकथाम लगाने के लिए कानून बनाए गए हैं लेकिन बावजूद इसके प्रति वर्ष दुर्घटनाओं में कमी होने की अपेक्षा बढ़ोतरी ही नजर आ रही है। दुर्घटनाओं के लिए केवल ट्रक या फिर दूसरे बड़े वाहन ऑपरेटर को ही जिम्मेदार नहीं माना जा सकता, अपितु छोटे वाहन भी दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण हैं, जिसमें चालक लापरवाही एवं तेज गति से दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। इन परिस्थितियों में यह भेज जरूरी है कि सरकार कोई ऐसा कानून लाए जो वाहनों की गति पर नियंत्रण रखें लेकिन वर्तमान कानून को लागू करने के बाद जो परिस्थितियों सामने आई है उसे देखकर तो यही लगता है कि ऐसे किसी सख्त कानून पर एक राय बनना बेहद पेचीदा काम है।

लोकतंत्र के लिए अहम नया साल

अजीत द्विवेदी

नए साल की शुरुआत बांग्लादेश के चुनाव से हो रही है। सात जनवरी को बांग्लादेश में वोट डाले जाएंगे। उसके एक महीने बाद आठ फरवरी को पाकिस्तान में आम चुनाव होंगे और अप्रैल–मई में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र यानी भारत में लोकसभा चुनाव होना निर्धारित है। दक्षिण एशिया में गर्भनाल से जुड़े रहे ये तीनों देश भले आज अलग अलग हैं लेकिन इनमें बहुत कुछ एक जैसा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत का लोकतंत्र दुनिया के किसी भी सभ्य और लोकतांत्रिक देश की तरह जीवंत है, जहां मतदाताओं की संख्या एक सौ करोड़ के करीब है और अगले चुनाव में मोटे तौर पर 70 करोड़ लोग मतदान में करेंगे। दूसरी ओर पाकिस्तान में लोकतंत्र एक तमाशा है। पूर्व प्रधानमंत्री जेल में बंद हैं और चुनाव आयोग ने उनका नामांकन खारिज कर दिया है। दूसरी ओर भ्रष्टाचार के आरोप में सजा पाए और देश छोड़ कर भाग गए नवाज शरीफ की वापसी हो गई है और उनका नामांकन स्वीकार हो गया है। तो समझा जा सकता है कि वहां चुनाव किस तरह से होंगे। बांग्लादेश में भी लोकतंत्र जैसे तैसे जिंदा है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने समूचे विपक्ष को या तो जेल में डाल रखा है या देश निकाला दिया हुआ है।

बहरहाल, भारत में भी लोकतंत्र के लिए 2024 का साल परीक्षा वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार चुनाव जीत कर देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए चुनाव में उतरेंगे। दूसरी ओर विपक्ष की ओर से यह आशंका जताई जा रही है कि अगर मोदी तीसरी बार जीतते हैं तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा और फिर कभी चुनाव नहीं होंगे। कई विपक्षी पार्टियों के नेता दबी जुबान में यह बात कह रहे हैं और विपक्ष की एक मुखर आवाज बन कर उभरे पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक खुल कर कह रहे हैं। हालांकि उनकी यह आशंका निराधार है कि मोदी तीसरी बार जीते तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा या चुनाव नहीं होगा। मोदी चुनाव क्यों नहीं कराएंगे? चुनाव से तो उनको वैधता मिलती है। उनके एजेंडे को स्वीकार्यता मिलती है। उनको और ताकत मिलती है। वे दुनिया भर में सबसे बड़े लोकतंत्र के लोकप्रिय नेता के तौर पर सम्मान पाते हैं। सो, चुनाव नहीं होने की बातों का कोई मतलब नहीं है। चुनाव तो होते रहेंगे।

असली सवाल चुनाव की प्रक्रिया का है। उसकी विश्वसनीयता का है और लोगों के भरोसे का है। अगर देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और अन्य पार्टियां चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठा रही हैं तो उसे सिर्फ विपक्ष की बेबुनियाद आशंका, उसकी हार का भय या मोदीफोबिया बता कर खारिज करने की बजाय विश्वसनीय तरीके से उसका निराकरण किया जाना चाहिए। विपक्ष इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन को लेकर आशंकित है। उसमें छेड़छाड़ की संभावना देख रहा है। तो चुनाव आयोग को इस आशंका का जवाब देना चाहिए। यह कह देना पर्याप्त नहीं होगा कि चुनाव आयोग ने खुली चुनौती दी थी कि कोई मशीन हैक करके दिखाए लेकिन कोई हैक नहीं कर सका। चुनाव आयोग का यह मानना कि मशीन हैक नहीं हो सकती है, उसकी जिद है। उसे इस मामले को प्रतिष्ठा का सवाल नहीं बनाना चाहिए क्योंकि उसने न तो ईवीएम का आविष्कार किया है और न उसके कहने से चुनाव में ईवीएम का इस्तेमाल शुरू हुआ था और न ईवीएम ने उसे अपनी ब्रांडिंग के लिए मैनेजर नियुक्त किया है। ईवीएम बनाने का काम भी चुनाव आयोग का नहीं है। यह काम सरकार का है। और यह लोकतंत्र का सबसे पवित्र सिद्धांत है कि चुनाव आयोग के लिए जैसे सरकार यानी सत्तारूढ़ दल है वैसे ही विपक्ष है। उसे दोनों के प्रति समान भाव दिखाना चाहिए और जरुरत पडने् पर सरकार के खिलाफ भी स्टैंड लेना चाहिए। लेकिन जब चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था विपक्ष के हर आरोप को खारिज करने लगे और सरकार की हर बात स्वीकार करने लगे तो उसमें गड़बड़ी भले कुछ न हो लेकिन आशंका पैदा होती है। तभी यह साल चुनाव आयोग की छवि बदलने वाला होना चाहिए क्योंकि लोकसभा के साथ इस साल जम्मू कश्मीर सहित आठ राज्यों में विधानसभा के चुनाव भी होने वाले हैं।

सो, चुनाव आयोग को ईवीएम से जुड़ी आशंकाओं को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। विपक्षी पार्टियों का यह प्रस्ताव है कि चुनाव भले ईवीएम से कराया जाए लेकिन वीवीपैट मशीनों से निकलने वाली पर्ची को मतदाता के देखने के बाद एक अलग बॉक्स में रखने की व्यवस्था हो, जिसे सबके सामने ईवीएम की तरह ही सील किया जाए और मतगणना में सारी पर्चियों को गिना जाए। इसमें नतीजे आने में निश्चित रूप से समय ज्यादा लगेगा लेकिन वह बड़ी बात नहीं होगी। आखिर पांच साल पर चुनाव होते हैं और चुनाव आयोग भी दो महीने में मतदान की प्रक्रिया पूरी करता है। कई क्षेत्रों में मतदान के बाद नतीजों के लिए लोगों को एक एक महीने तक इंतजार करना होता है। इसलिए मतदान समाप्त होने के बाद अगर नतीजे आने में दो–तीन दिन का समय लग जाता है तो उससे कोई आफत नहीं आ जाएगी। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया की शुचिता और चुनाव नतीजों के प्रति आम नागरिक का भरोसा बनाए रखने की यह कोई बड़ी कीमत नहीं होगी।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए 2024 का साल इसलिए भी अहम है क्योंकि आम चुनावों के साथ साथ जम्मू कश्मीर में चुनाव होने वाले हैं और उसका पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल होना है। सोचें, केंद्र सरकार और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी दोनों दावा करते हैं कि जम्मू कश्मीर में सब सामान्य हो गया है। शांति बहाल हो गई है। आतंकवादी घटनाओं में बहुत कमी आ गई है। विकास की गंगा बह रही है। इसके बावजूद पांच साल से राज्य में विधानसभा नहीं है। जम्मू कश्मीर विधानसभा नवंबर 2018 में भंग कर दी गई थी। उसके एक साल बाद अनुच्छेद 370 खत्म करके राज्य का विशेष दर्जा समाप्त कर दिया गया था। साथ ही जम्मू कश्मीर को विभाजित करके लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया था। इस तरह नवंबर 2018 से राज्य में विधानसभा नहीं है और अगस्त 2019 से जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश है। अब सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर तक चुनाव कराने को कहा है और जल्दी से जल्दी पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का आदेश दिया है। एक राज्य में पांच साल से जनता की चुनी हुई सरकार नहीं है। यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मदर ऑफ डेमोक्रेसी कहते हैं, अच्छी बात नहीं है। राज्य में आखिरी बार 2014 में चुनाव हुए थे। लोकतंत्र के लिए इससे जरूरी क्या हो सकता है कि 10 साल बाद राज्य में चुनाव हो!

लोकतंत्र में चुनाव अच्छी बात है। आम चुनाव होंगे। कई राज्यों में चुनाव होंगे। उससे पहले आस्था के केंद्र के तौर पर अयोध्या में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होगी। करोड़ों लोग रामलला विराजमान के दर्शन करने जाएंगे। लेकिन इसके साथ ही लोकतंत्र के लिए अच्छी बात यह होगी की जनगणना कराई जाए। भारत में आखिरी बार 2011 में जनगणना हुई थी। उसके बाद 2021 में जनगणना होनी थी लेकिन 2020 में कोरोना की महामारी की वजह से इसे टाल दिया गया और तब से यह टला हुआ है।

चरमरा रहा है लोकतंत्र

आम अनुभव यही है कि लिबरल डेमोक्रेसी के अंदर नीतिगत आधार पर मौजूद वास्तविक विकल्पों का अभाव बढ़ता चला गया है। नतीजा यह है कि ऐसे नेताओं और दलों के लिए रास्ता खुल गया है, जो जनता के बीच उत्तेजना फैलाने में माहिर हैं।

विश्व मीडिया में 2024 को चुनावों का साल बताया गया है। इस वर्ष तकरीबन 60 देशों में किसी ना किसी स्तर के चुनाव होने हैं। शुरुआत बांग्लादेश में सात जनवरी को होने वाले संसदीय चुनाव होगी। लेकिन असल में वहां मतदाताओं के सामने चुनने के लिए कोई सार्थक विकल्प नहीं है। चूंकि प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद की अवामी लीग सरकार विपक्ष को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव का भरोसा नहीं दिला पाई, इसलिए मुख्य विपक्षी दल– बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी– ने चुनाव का बायकॉट कर दिया है। इस वर्ष आठ फरवरी को पाकिस्तान में संसदीय एवं प्रांतीय चुनाव होंगे। लेकिन वहां के वास्तविक शासक– सैन्य एवं खुफिया तंत्र– ने देश के सबसे लोकप्रिय नेता इमरान खान और उनकी पार्टी को मुकाबलों से जबरन बाहर कर दिया है। अप्रैल–मई में भारत में चुनाव होंगे, जहां यह आम धारणा बन गई है कि अब सभी राजनीतिक दलों को मुकाबले का समान धरातल नहीं मिलता।

साल के आखिर– यानी नवंबर में दुनिया का ध्यान अमेरिका पर टिकेगा, जहां नए राष्ट्रपति का चुनाव होगा। लेकिन इस बीच जिस संदिग्ध ढंग से सबसे लोकप्रिय उम्मीदवार डॉनल्ड ट्रंप को मुकाबले से बाहर करने की कोशिशें की जा रही हैं, उससे अमेरिकी लोकतंत्र पर भी सवाल गहराते जा रहे हैं। ये सिर्फ कुछ प्रमुख मिसालें हैं। वरना, आम अनुभव यही है कि लिबरल डेमोक्रेसी के अंदर नीतिगत आधार पर मौजूद वास्तविक विकल्पों का अभाव बढ़ता चला गया है। नतीजा यह है कि राजनीतिक चर्चाएं सांस्कृतिक एवं पहचान संबंधी मुद्दों पर केंद्रित हो गई हैं। इससे ऐसे नेताओं और दलों के लिए रास्ता खुला है, जो जनता के बीच उत्तेजना फैलाने में माहिर हैं। अनेक देशों में लिबरल अभिजात वर्ग ने इन ताकतों के आगे समर्पण कर दिया है, जबकि कुछ जगहों पर ऐसे नेताओं को वैसे तरीकों से रोकने कोशिश हो रही है, जिन्हें किसी रूप में लोकतांत्रिक नहीं कहा जा सकता। नतीजतन, लिबरल डेमोक्रेसी चरमराती नजर आ रही है। इसका क्या दूरगामी परिणाम होगा, अभी यह साफ नहीं है। लेकिन तात्कालिक परिणाम के तौर पर लोकतांत्रिक मान्यताएं और संस्थाएं बेदम होती जा रही हैं और तानाशाही प्रवृत्तियों की जड़ मजबूत हो रही है।

वित्तीय संघवाद का फॉर्मूला

सोलहवें वित्त आयोग से अपेक्षा रहेगी कि वह ऐसा फॉर्मूला सुझाए, जिससे सभी राज्य भारतीय संविधान की भावना के मुताबिक संघ की एक इकाई के रूप में स्वाभिमान से अपना राजकाज चला सकें। साथ ही स्थानीय निकाय स्वायत्त इकाई के रूप काम करने में सक्षम हों।

16वें वित्त आयोग से अपेक्षा रहेगी कि वह ऐसा फॉर्मूला सुझाए, जिससे सभी राज्य भारतीय संविधान की भावना के मुताबिक संघ की एक इकाई के रूप में स्वाभिमान से अपना राजकाज चला सकें। वरना, जीएसटी पर पहले से मौजूद सवाल और गहरा जाएंगे।

केंद्र सरकार ने 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी है। रविवार को इस एलान से दो रोज पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आयोग के विचारणीय मुद्दों को तय किया था। नव–उदारवादी अर्थशास्त्री अरविंद पनागडिया इस आयोग के अध्यक्ष होंगे, जो नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में नीति आयोग का नेतृत्व भी कर चुके हैं। पनागडिया उन गिने–चुने प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों में हैं, जो मोदी सरकार के पैरोकार बने हुए हैं। हालांकि वे आयात शुल्क बढ़ाकर घरेलू उद्योगों को संरक्षण देने की मोदी सरकार की नीति से सहमत नहीं रहे हैं, इसके बावजूद मोटे तौर पर वे उसकी नीतियों के समर्थक हैं। पनागडिया सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर खर्च बढ़ाने जैसे उपायों के आलोचक हैं। उनकी यह राय उस समय जाहिर हुई, जब उन्होंने विकास के ओडीशा मॉडल की तारीफ की, जबकि राजस्थान की पूर्व अशोक गहलोत सरकार की चिरंजीवी योजना को गलत दिशा में उठाया गया कदम बताया था। अनुमान लगाया जा सकता है कि अगले वित्त आयोग की सिफारिशों पर उनकी इस सोच का असर नजर आएगा।

एक अप्रैल 2026 से अगले पांच साल तक के लिए इस आयोग को केंद्र और राज्यों के बीच संसाधनों के बंटवारे, आपदा सहायता के निर्धारण, और स्थानीय निकायों को धन आवंटन के सिद्धांत तय करने हैं। जीएसटी लागू होने के बाद राज्य केंद्र से मिलने वाले धन पर लगभग पूरी तरह निर्भर हो गए हैं। उनकी लाचारी कोरोना काल में सबको देखने को मिली थी। 16वें वित्त आयोग से अपेक्षा रहेगी कि वह ऐसा फॉर्मूला सुझाए, जिससे सभी राज्य भारतीय संविधान की भावना के मुताबिक संघ की एक इकाई के रूप में स्वाभिमान से अपना राजकाज चला सकें। वरना, जीएसटी पर पहले से मौजूद सवाल और गहरा जाएंगे। इसके साथ ही स्थानीय निकायों के लिए धन आवंटन की ऐसी व्यवस्था की अनिवार्यता है, जिससे ये निकाय संविधान के 73वें और 74वें संशोधन की भावना के मुताबिक एक संपूर्ण एवं स्वायत्त इकाई के रूप काम करने में सक्षम हो सकें। इन मकसदों का नव–उदारवादी अर्थशास्त्र से भी कोई अंतर्विरोध नहीं है। इसलिए अपेक्षा है कि पनागडिया आयोग इन मामलों में जारी संशयों का हमेशा के लिए अंत कर देगा।

राष्ट्रीय खेल ध्वज रैली के आयोजन की तैयारी करें

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : प्रभारी जिलाधिकारी अभिनव शाह ने बुधवार को विकास भवन में राष्ट्रीय खेल ध्वज रैली के आयोजन के संबंध में बैठक ली। उन्होंने खेल विभाग को समय से रैली के आयोजन की तैयारी करने के निर्देश दिए।

जिला क्रीड़ाधिकारी जयवीर सिंह रावत ने बताया कि शासन, खेल निदेशालय से राष्ट्रीय खेल ध्वज रैली के लिए तिथि निर्धारित की जाएगी। उसके बाद जिला क्रीडाधिकारी द्वारा कमेड़ा में राष्ट्रीय खेल ध्वज प्राप्त कर गौचर में राष्ट्रीय खेल ध्वज की मिनी रैली का आयोजन किया जायेगा। मुख्य ध्वज रैली जिला कार्यालय चमोली से प्रारंभ होकर गोपीनाथ मन्दिर होते हुये रैली का मुख्य समारोह स्पोर्ट्स स्टेडियम गोपेश्वर में आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात राष्ट्रीय खेल ध्वज को जनपद बागेश्वर को उपलब्ध कराने हेतु एक मिनी रैली का आयोजन ग्वालदम में किया जायेगा। मुख्य रैली में जनपद के प्रभारी मंत्री, विधायक, जनप्रतिनिधियों, भूतपूर्व खिलाड़ियों, खेल संघों के पदाधिकारियों, स्कूली बच्चों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं खेल प्रेमियों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। बैठक में सीईओ कुलदीप गैरोला, एसीएमओ एमएस खाती, प्रभारी जिला युवा कल्याण अधिकारी दीपक बिष्ट मुख्य प्रशासनिक अधिकारी विक्रम सिंह चौधरी आदि मौजूद थे।

मतदाता जागरूकता अभियान में पुरस्कार जीतने का मौका

प्रतियोगिताओं में पहला स्थान प्राप्त करने पर मिलेगा 5000 इनाम

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : निर्वाचन कार्यालय द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव समान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत प्रदेश भर में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत ऑनलाइन निबंध, चित्रकला एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिताओं में अव्वल रहने वाले लोगों को पुरस्कृत किया जाएगा। पहला स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को 5000 रुपए, द्वितीय स्थान हासिल करने वाले को 3000 रूपए एवं तृतीय स्थान हासिल करने वाले 08 विजेताओं को 2000 रूपए प्रति व्यक्ति पुरस्कार मिलेगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा राज्य स्तर पर निबंध, चित्रकला एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन 01 से 10 जनवरी के बीच तक किया जाएगा। 10 जनवरी को शाम 04 बजे तक एंट्री भेजी जा सकती हैं। प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग के लिए न्यूनतम आयु 15 वर्ष होनी अनिवार्य है। प्रतियोगिता के लिए तय मानकों के अनुसार प्रतियोगिता में स्लोगन एवं निबंध प्रतियोगिताओं के लिए दी गई एंट्री कंप्यूटर से टाइप या हस्तलिखित एवं स्पष्ट होनी चाहिए। उत्तराखंड के अंतर्गत निवासरत नागरिक ही प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते हैं। प्रतिभागियों को अपनी एंट्री पर ही अपना नाम, ई-मेल, मोबाईल नंबर एवं पता अंकित करना अनिवार्य होगा। निबंध अधिकतम 300 शब्दों का होना चाहिए। एक प्रतिभागी तीनों श्रेणी में आवेदन कर सकते हैं। एंट्री हिंदी अथवा अंग्रेजी भाषा में भेजनी होगी। प्रतिभागी अपनी एंट्री ई-मेल अथवा व्हाट्सएप से भेज सकते हैं।

शराब के साथ तीन लोग गिरफ्तार

टिहरी : टिहरी पुलिस ने अलग अलग जगहों से तीन लोगों को अवैध अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस तीनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत संबधिंत थानों में मुकदमा पंजीकृत किया है।

नई टिहरी कोतवाली के प्रभारी चंद्रभार सिंह अधिकारी ने बताया मुखबिर की सूचना बीते मंगलवार सांय को पुलिस ने गुलशन निवासी कोटी कॉलोनी के पास से 48 तथा देवेंद्र निवासी मद्रासी कॉलोनी कोटी के पास से 32 अद्धे अंग्रेजी शराब के बरामद किये है।

योग अध्यात्म के रूप में विकसित होगा ऊखीमठ

रूद्रप्रयाग : पंच होटल/होम स्टे एसोशिएशन ऊखीमठ द्वारा 7 जनवरी को योग आध्यात्म और वैदिक विवाह स्थल पर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किए जाएंगे। ताकि ऊखीमठ क्षेत्र को योग अध्यात्म रूप में विकसित कर रोजगार के अवसर पैदा किए जा सके।

ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में योग आध्यात्म और वैदिक विवाह पर कार्यशाला को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही है। ऊखीमठ, मदमहेश्वर, तुंगनाथ घाटी के होम स्टे संचालक इसमें अपनी अहम भागीदारी निभाएंगे। आगामी सात जनवरी को होने वाले कार्यक्रम में मांगल गीत, शादी विवाह में गाए जाने वाले पौराणिक गीत, भगवान शिव पार्वती या मां उषा भगवान अनिरुद्ध का नाटक एवं कीर्तन एवं भजन का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा कार्यशाला में क्षेत्र को योग अध्यात्म एवं वैदिक विवाह स्थली पर विशेष चर्चा की जाएगी।

ताकि भविष्य में यहां पर्यटन, तीर्थाटन बढ़ने के साथ ही रोजगार के अवसर मुहैया हो सके। एसोशिएशन के अध्यक्ष डॉ. कैलाश पुष्पवान ने बताया कि आगामी सात जनवरी को ऊखीमठ में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

पहली बार हो रही इस कार्यशाला में धार्मिक पर्यटन को बढ़ाने के साथ ही योग अध्यात्म की दिशा में नई पहल शुरू की जाएगी। साथ ही ऊखीमठ स्थित अनिरुद्ध एवं उषा की वेदी एवं त्रियुगीनारायण में वैदिक विवाह स्थली को वैडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए चर्चा की जाएगी। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने की अपील की है। (एजेंसी)

धौलसारी को सड़क सुविधा से जोड़ने की मांग

रूद्रप्रयाग : लम्बे समय से राजस्व ग्राम धौलसारी को सड़क सुविधा का लाभ न मिलने से आक्रोशित ग्रामीण बुधवार को लोनिवि में पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी मांग के लिए विभाग के अधिशासी अभियंता से वार्ता की। साथ ही जल्द मोटर मार्ग निर्माण की मांग की। लोनिवि के ईई ने एक माह में कार्य शुरू होने का आश्वासन ग्रामीणों को दिया है।धौलसारी के ग्रामीण सड़क सुविधा न मिलने से काफी निराश और मायूस हैं। कई बार शासन-प्रशासन के समक्ष अपनी मांग रखने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। ग्रामीणों ने वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान भी अपना विरोध दर्ज किया था। तब प्रशासन और लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि जल्द ही सड़क का निर्माण कर लिया जाएगा, किंतु अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। बुधवार को आक्रोशित ग्रामीण के एक शिष्टमंडल लोनिवि कार्यालय पहुंचा, जहां उन्होंने अपनी मांग को लेकर लोनिवि के ईई इन्द्रजीत बोस से वार्ता की। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि इसके बाद कार्रवाई नहीं की गई तो ग्रामीण बड़ा आंदोलन करेंगे। ग्रामीणों ने कहा कि यदि सड़क निर्माण नहीं किया गया तो लोकसभा चुनाव में इसका खामियाजा उठाना पड़ेगा। इधर, लोनिवि के ईई इन्द्रजीत बोस ने ग्रामीणों को एक माह में सड़क पर सकारात्मक कार्रवाई करने का भरोसा दिया। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य भूपेन्द्र लाल, भाजपा जिला मंत्री गम्भीर सिंह बिष्ट, जगदीश कठैत, सुरेन्द्र सिंह, भाजपा महामंत्री विक्रम पैलडा, अनूप सिंह रावत, दर्शन सिंह बुटोला, आनंद बुटोला, चंडी प्रसाद, सूरज रावत, उम्रा रावत, संगीता देवी, ममता देवी, विजेश्वरी देवी, पुष्पा देवी, ललिता देवी, हिमदेई देवी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

वरिष्ठ साहित्यकार गुसाईं के निधन से छाई शोक की लहर

रूद्रप्रयाग : मंदाकिनी घाटी में साहित्य सृजन के पुरोधा पद्मसेन कमलेश नाम से विख्यात 90 वर्षीय वरिष्ठ साहित्यकार पदम सिंह गुसांई का मंगलवार शाम निधन हो गया। उनके निधन से साहित्य जगत में शोक की गहरी लहर छा गई।

एक उत्साही सृजनता के धनी और मानवीय संवेदनाओं को यथार्थ में आत्मसात करने वाले गुसाईं ने शिक्षा विभाग से अपनी सेवानिवृत्ति के बाद गरीब और मजदूरी कर जीवनयापन करने मजदूर, आर्थिक कमजोर बच्चों को निःशुल्क पढ़ाने के लिए ह्यनीमा मेमोरियल स्कूल की नींव रखी।

इस संस्थान के साथ चंद्र कुंवर बर्त्वाल साहित्य शोध संस्थान की स्थापना और फिर गढ़गुंजन और गढ़गरिमा पत्रिका के प्रकाशन ने उनकी वृहद साहित्यिक सोच को उजागर कर दिया। महान पूर्वजों की स्मृतियों को प्रसारित करने की जनजागृति के लिए चमोली की महान विभूतियां, रुद्रप्रयाग और पौड़ी की महान विभूतियां पर पुस्तक प्रकाशित की। टिहरी और उत्तरकाशी पर भी आपकी पाण्डुलिपि तैयार थी।

चन्द्रकुंवर को लगभग भुला चुकी मन्दाकिनी घाटी को इन्होंने फिर से चेताया और कवि गोष्ठी एवं पत्रिका के द्वारा फिर से चन्द्रकुंवर की विस्मृत धारा को नया प्रवाह देकर जीवित कर दिया। (एजेंसी)

सांगठनिक कार्यों को लिए भाजपा ने कार्यकर्ताओं को सौंपी जिम्मेदारी

उत्तरकाशी : लोकसभा चुनाव से पूर्व संचालित कार्यक्रम गांव चलो अभियान, दीवार लेखन, सदस्यता अभियान सहित अन्य पांच कार्यक्रमों को धरातल पर उतारने के लिए भाजपा ने कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देकर जिला स्तर पर टीमें गठित कर दी है। यह टीमें अपने-अपने कार्यों की नियमित रिपोर्ट प्रदेश व केन्द्रीय समिति को भेजेंगी।भाजपा जिलाध्यक्ष सतेन्द्र राणा ने बताया कि लोक सभा चुनावों को दृष्टिगत रखते हुए संगठन की ओर से पांच प्रदेश स्तरीय महत्वपूर्ण कार्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। जिनको धरातल पर उतारने के जिला स्तर पर टीमों का गठन कर दिया गया है। कहा कि इन सभी टीमों द्वारा जो भी कार्य किए जायेंगे, उसकी रूटीन मॉनिटरिंग प्रदेश नेतृत्व द्वारा की जाएगी। बताया कि जिला स्तर पर गांव चलो अभियान के लिए महामंत्री पवन नौटियाल को संयोजक एवं सूरत सिंह गुसाईं, बिजेंद्र सिंह रावत को सहसंयोजक बनाया गया है। इसी तरह दीवार लेखन टीम के लिए हरीश डंगवाल, मुकेश टम्टा व बृजमोहन चौहान तथा महिला स्वयं सहायता समूह और गैर सरकारी संस्था से संपर्क अभियान के लिए एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक घनश्याम गैरोला, पूनम रमोला व अनीता परमार तथा पार्टी ज्वाइंनिंग टीम के लिए नागेन्द्र सिंह चौहान, राजपाल पंवार, शैलेन्द्र चौहान को जिम्मेदारी दी गई है। जबकि लाभार्थी संपर्क टीम में जगमोहन रावत को संयोजक एवं बचन पंवार, शैलेन्द्र कोहली को सह संयोजक बनाया गया है। (एजेंसी)

सिलगढ़ महोत्सव में दर्शन के गीतों पर झूमे लोग

रूद्रप्रयाग : सिलगढ़ महोत्सव के दूसरे दिन लोकगायक दर्शन फर्स्वाण व गीत गंगा की टीम की सुंदर प्रस्तुतियों ने समा बांधे रखा। देर सांय तक दर्शक महोत्सव का आनंद लेते रहे। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि एवं जिलाध्यक्ष महावीर पंवार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर मेले में लगे सरकारी विभागों एवं लोकल उत्पादकों द्वारा लगाए, गए स्टालों का निरीक्षण कर उद्घाटन भी किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोक गायक दर्शन फर्स्वाण की प्रस्तुति नंदा की स्तुति, झुमक्याली गीत नृत्य, सुमन सिंह रौथान की सान जग्गी की प्रस्तुति, विक्रम कप्रवान की बॉर्डर पर तैनात सैनिकों को समर्पित मार्मिक गीत, विजय पंथ के जय बाबा केदार, रेखा उनियाल का जागर खूब आकर्षक बनी। दर्शकों ने देर सांय तक महोत्सव का आनंद लिया। इससे पहले बीते दिन महोत्सव का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख जखोली प्रदीप थपलियाल ने किया। बुधवार को कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेशकार्य समिति सदस्य त्रिलोक सिंह रावत,शेरूलाल निरंकारी, मेहरबान नेगी, लीलानंद थपलियाल आदि मौजूद थे।

चंबा के लोगों को अयोध्या का आमंत्रण दिया

टिहरी : राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत प्रचारक के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने चंबा नगर के लोगों को अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आमंत्रण पत्र दिया।

दौरान उन्होंने पूजित अक्षत का वितरण कर सभी से 22 को अपने शहर, मौहल्ले के मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा उत्सव मनाने का आह्वान किया। आरएसएस प्रांत प्रचारक डॉ. शैलेंद्र ने नगर क्षेत्र के घरों में जाकर अयोध्या से आए पूजित अक्षत व राम मंदिर के चित्र का वितरण किया। स्वयं सेवकों ने भगवान श्रीराम के जयकारे लगाए गए। संपर्क अभियान के बाद नगर क्षेत्र के कीर्तन मंडली की टोलियों की बैठक लेते हुए कहा कि यह हमारी सनातन प्रतिष्ठा की पुर्नस्थापना का अवसर है। मौके पर विभाग प्रचारक पारस, जिला प्रचारक गौरव, नगर संघ चालक तिलकराम चमोली, इंद्रपाल सिंह परमार, मोहन सिंह कुमाईं, नवजोत तडियाल, अनिता कोठारी, नीरज खत्री, वीरेंद्र सेमवाल, विक्रम चौहान आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

पाले और कोहरे ने बढ़ाई परेशानी

रूद्रप्रयाग : जनपद में ठंड लगातार बढ़ रही है जबकि सुबह पाले बीच लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कई जगहों पर कोहरा भी लग रहा है जो सुबह 8 बजे बाद छटता नजर आ रहा है। बीते कई दिनों से बारिश न होने के कारण लगातार पाला गिर रहा है। जिन स्थानों पर धूप नहीं पड़ रही है वहां पाले के कारण भारी मुश्किलें हो रही है। विशेषरूप से हाईवे और ब्रांच सड़कों पर ऐसे स्थान दुर्घटना को निमंत्रण दे रहे हैं। कई जगहों पर दो-पहिया वाहन पाले में रपट रहे हैं। यदि मौसम इसी

तरह रूखा रहा तो आने वाले दिनों में पाले से लोगों को और भी परेशानियां हो सकती है। रुद्रप्रयाग, तिलवाडा, सिल्ली, अगस्त्यमुनि, चन्द्रापुरी, भीरी, ऊखीमठ, गुप्तकाशी, फाटा सहित गौरीकुंड तक पाले से लोग मुश्किलें उठा रहे हैं। (एजेंसी)

11 गेंदों में तहस–नहस हुई भारत की पहली पारी, लुंगी एनगिडी और रबाडा ने मचाया तहलका

नई दिल्ली। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच केपटाउन में दूसरा टेस्ट मैच आयोजित किया गया है। दूसरे टेस्ट मैच के दिन भारतीय गेंदबाजों के आगे जहां, साउथ अफ्रीका मात्र 55 रन पर आल आउट हो गया तो वहीं, भारतीय पारी के लिए 11 गेंद काल साबित हो गईं।

दरअसल, भारत एक समय चार विकेट पर 153 बनाकर मजबूत स्थिति में था। क्रीज पर केएल राहुल और विराट कोहली मौजूद थे, लेकिन भारतीय पारी के 34वें ओवर की पहली गेंद पर कहानी ही बदल गई। लुंगी एनगिडी की पहली गेंद पर केएल राहुल कैच आउट होकर पवेलियन लौटे। इसके बाद जडेजा क्रीज पर आए।

लुंगी एनगिडी ने एक ही ओवर में लिए तीन विकेट

एक गेंद के बाद जडेजा को लुंगी एनगिडी ने तीखी बाउंसर मारी। वह इससे बच नहीं सके और मार्को यान्सन को कैच थमा बैठे। वह बिना खाता पवेलियन लौट गए। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर बुमराह भी बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। 34वें ओवर में कुल 3 विकेट गिरे। इसके बाद 35वां ओवर करने आए रबाडा।

जमशेदपुर एफसी ने सीजन के अंत तक खालिद जमील को मुख्य कोच किया नियुक्त

जमशेदपुर ,अंतरिम कोच के रूप में अपने पहले कार्यकाल में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के प्लेऑफ में ले जाने वाले खालिद जमील को रविवार को शेष सीजन के लिए जमशेदपुर एफसी का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। अनुभवी और उच्च सम्मानित एएफसी प्रो लाइसेंस प्राप्त कोच खालिद जमील जनवरी में कलिंगा सुपर कप के साथ शुरू होने वाले जमशेदपुर एफसी के साथ अपनी यात्रा शुरू करेंगे, जिसके बाद इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023–24 का शेष सीजन् होगा। उन्होंने स्कॉट कूपर की जगह संभाली है।

जमशेदपुर एफसी, जो वर्तमान में आईएसएल के मध्य चरण में 12 मैचों में नौ अंकों के साथ 12 टीमों में 10वें स्थान पर है, ने कुछ हफ्ते पहले कूपर को बर्खास्त कर दिया था। क्लब ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक बयान में बताया कि खालिद तुरंत टीम की कमान संभालेंगे क्योंकि सारा ध्यान कलिंगा सुपर कप पर केंद्रित है, जहां जमशेदपुर की पहली चुनौती 10 जनवरी को भुवनेश्वर में नॉर्थईस्ट यूनाइ-टेड एफसी के खिलाफ है।

खालिद एक पूर्व खिलाड़ी और एक सफल मैनेजर के रूप में भारतीय फुटबॉल में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं।

वह आईएसएल टीम के स्थायी मुख्य कोच बनने वाले पहले भारतीय हैं और आईएसएल प्लेऑफ में टीम का मार्गदर्शन करने वाले एकमात्र भारतीय कोच हैं। अपने शानदार करियर में, खालिद ने आइजोल के साथ 2016–17 सीजन् के लिए आई-लीग सर्वश्रेष्ठ कोच पुरस्कार और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के साथ एफपीएआई इंडियन फुटबॉल अवार्ड्सः कोच ऑफ द ईयर (2020–21) जैसे व्यक्तिगत पुरस्कार जीते हैं।

आईएसएल में खालिद का पहला जुड़ाव नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के साथ था जहां उन्होंने 2019–20 में अकादमी के प्रमुख के रूप में हस्ताक्षर किए। क्लब के साथ उन्हें सफलता 2020–21 में मिली जब उन्हें शेष सीजन् के लिए अंतरिम मुख्य कोच के रूप में नियुक्त किया गया और उन्होंने 10 मैचों के नाबाद क्रम के साथ हाईलैंडर्स को प्लेऑफ् में पहुँचाया। उनके प्रदर्शन के बदले, खालिद को 2021–22 सीजन् के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया गया, जिससे वह आईएसएल क्लब के पहले भारतीय स्थायी मुख्य कोच बन गए।

नए साल में छाया 'मियां मैजिक', मोहम्मद सिराज ने केप टाउन में कहर बरपाते हुए बनाया धांसू रिकॉर्ड

केपटाउन। साउथ अफ्रीका के केपटाउन में मोहम्मद सिराज की शानदार गेंदबाजी के आगे मेजबान टीम के बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिए। दूसरे टेस्ट मैच में डीन एल्गर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन मोहम्मद सिराज ने छह विकेट झटक कर पहली ही पारी में मेजबान टीम को गेम में पीछे धकेल दिया है।

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपने टेस्ट करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 6–15 रन बनाए। सिराज ने नौ ओवर के स्पैल में अपनी लाइन और लेंथ से शानदार प्रदर्शन किया।बता दें कि साउथ अफ्रीका की पहली पारी 55 रन पर सिमट गई। सिराज के अलावा मुकेश कुमार और जसप्रीत बुमराह ने दो–दो विकेट चटकाए।

सिराज ने लिए छह विकेट

सिराज ने अपने चौथे ओवर में सबसे पहले एडन मार्क्रम को चलता किया। इसके बाद सिराज ने कप्तान डीन एल्गर को क्लीन बोल्ड कर दिया। इसके बाद सिराज ने टोनी डीजॉर्जी, डेविड बेडिंघम, काइल वेरेन, मार्को यानसन को पवेलियन का रास्ता दिखाया।

टेस्ट क्रिकेट में केपटाउन में पांच विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

2011 एस श्रीसंत
2011 हरभजन सिंह
2022 जसप्रीत बुमराह
2024 मोहम्मद सिराज*

सीरीज में बराबरी करने उतरी है रोहित की पलटन

बता दें कि भारतीय टीम सीरीज 1–1 से बराबर करने के इरादे से यह मुकाबला खेल रही है। भारतीय टीम को सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट में एक पारी और 32 रन की शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

भारत की प्लेइंग 11 – रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

दक्षिण अफ्रीका की प्लेइंग 11 – डीन एल्गर (कप्तान), एडेन मार्कराम, टोनी डी जॉर्जी, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड बेडिंघम, काइल वेरेनी, मार्को यानसेन, केशव महाराज, कगिसो रबाडा, नांद्रे बर्गर और लुंगी एनगिडी।

नासिर हुसैन ने वनडे को लेकर की सूर्यकुमार की आलोचना, टी20 में बताया सबसे बेहतरीन खिलाड़ी

भारत के लिए 2021 में टी20 में डेब्यू करने वाले सूर्यकुमार अब तक 60 टी20 मैचों में चार शतक और 17 अर्धशतक जड़ चुके हैं। उन्होंने 2022 में आईसीसी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल किया था। वह वनडे में उस तरह का प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं।

विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भारतीय टीम के अहम सदस्य हैं। उन्होंने टी20 फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन करके सबका दिल जीत लिया है। हालांकि, वह वनडे में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं। इस कारण इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने उनकी आलोचना भी की है। नासिर हुसैन का मानना है कि 50 ओवरों के क्रिकेट में सूर्यकुमार यादव को कुछ समझ नहीं आता, लेकिन टी20 में वह जबर्दस्त खेलते हैं।

पैट कमिंस की धारदार गेंदबाजी के बाद संकटमोचक बने आमेर जमाल, पाकिस्तान पहले दिन 313 रन पर ऑलआउट

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच बुधवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर तीसरे व अंतिम टेस्ट के पहले दिन का खेल पूरा हुआ। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और उसकी पहली पारी 77. 1 ओवर में 313 रन पर ऑलआउट हुई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन स्टंप्स तक 1 ओवर में बिना किसी नुकसान के 6 रन बना लिए हैं।ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी पाकिस्तान के स्कोर से 307 रन पीछे है जबकि उसके सभी विकेट बचे हुए हैं। अपने अंतिम टेस्ट में बल्लेबाजी करने उतरे डेविड वॉर्नर 6 रन बनाकर नाबाद हैं। फैंस को वॉर्नर से लंबी पारी की उम्मीद होगी।

पाकिस्तान की खराब शुरुआत

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। दोनों ओपनर्स अब्दुल्लाह शफीक और सैम अय्यूब बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। शफीक को स्टार्क जबकि अय्यूब को जोश हेजलवुड ने शिकार बनाया।

पैट कमिंस की घातक गेंदबाजी

बाबर आजम (26) और कप्तान शान मसूद (35) ने पाकिस्तान की पारी संवारने की कोशिश की। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 35 रन की साझेदारी की। तभी कमिंस ने आजम को एलबीडब्ल्यू आउट करके पाकिस्तान को तीसरा झटका दिया। कमिंस ने जल्द ही सउद शकील (5) को कैरी के हाथों कैच आउट कराकर मेनबान टीम को बैकफुट पर धकेल दिया।

रिजवान–सलमान ने जड़े अर्धशतक

47/4 के स्कोर से पाकिस्तान को कप्तान शाम मसूद (35) और मोहम्मद रिजवान (88) ने संभाला। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी की। मसूद को मिचेल मार्श ने स्मिथ के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद रिजवान ने आघा सलमान (53) के साथ छठे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी की। रिजवान को कमिंस ने शतक बनाने से रोका और हेजलवुड के हाथों कैच आउट कराया। रिजवान ने 103 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के की मदद से 88 रन बनाए।

कमिंस ने मारा पंजा

कमिंस ने साजिद खान (15) को नाथन लियोन के हाथों कैच आउट कराकर अपना चौथा शिकार किया। आघा सलमान अर्धशतक बनाने के बाद स्टार्क का शिकार होकर पवेलियन लौटे। सलमान ने 67 गेंदों में 8 चौके की मदद से 53 रन बनाए। जल्द ही हसन अली को कमिंस ने स्टार्क के हाथों कैच आउट कराकर अपना पांचवां शिकार किया।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय
चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338